E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक-15 | प्रयागराज, गुरूवार 19 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

नए ईरानी सुप्रीम लीडर को ढूंढकर मारेंगे-इजराइल,अमेरिका ने ईरानी सैन्य ठिकाने पर 2200kg का बम गिराया

तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग का आज 19वां दिन है। इजराइल ने कहा है कि वो ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई को ढूंढकर खत्म कर देगा। सेना के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने मंगलवार को कहा कि भले ही उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन इजराइल उन्हें खत्म करेगा।इससे पहले इजराइल ने ईरान पर बड़ा हमला किया, जिसमें ईरान के सिक्योरिटी चीफ अली लारिजानी और उनके बेटे की मौत हो गई। इस हमले की पुष्टि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आइआरजीसी) ने भी की है। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव समेत 100 से ज्यादा जगहों पर मिसाइल अटैक किया। ईरान का कहना है कि यह हमला लारिजानी, उनके बेटे और बसीज फोर्स के कमांडर घोलामरेजा सुलेमानी की मौत का बदला है। इसी बीच अमेरिका ने भी बड़ा एक्शन लिया है। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की कोशिश में समुद्र किनारे बने ईरानी मिसाइल ठिकानों पर करीब 2200 किलो वजनी खतरनाक बम गिराया, जो जमीन के अंदर बने ठिकानों को भी तबाह कर देता है। ईरान की कमान कौन संभालेगा? ये 5 नाम सबसे आगे- जंग में पूर्व ईरानी सुप्रीम लीडर अली

खामेनेई और सिक्योरिटी चीफ अली लारिजानी समेत ईरान के कई बड़े नेता मारे गए हैं। ऐसे में ईरान की कमान संभालने के लिए 5 नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। 1. मुजतबा खामेनेई- ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर के बेटे हैं, उन्हें सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। 8-9 मार्च 2026 को एक्सपर्ट्स की एक बैठक में उन्हें नया सुप्रीम लीडर बनाया गया है। हालांकि, हाल के दिनों में वे सार्वजनिक तौर पर कम दिखाई दिए हैं, लेकिन माना जाता है कि आर्थिक और रणनीतिक मामलों में उनकी अच्छी पकड़ है। 2. मसूद पजश्कियान- ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजश्कियान भी इस वक्त खास रोल में हैं। युद्ध और संकट के समय देश का प्रशासन संभालने की जिम्मेदारी उन्हीं पर होती है। ऐसे में उन्हें अस्थायी रूप से टॉप लीडर जैसा माना जा रहा है। 3. अहमद वाहिदी- रेवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) से जुड़े सीनियर नेता हैं, लारिजानी के बाद एक मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं। सेना और सुरक्षा मामलों में उनका अनुभव उन्हें प्रमुख उम्मीदवार बनाता है। 4. मोहम्मद बाघेर गालिबाफ- ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ भी इस लिस्ट में शामिल हैं। वे पहले आइआरजीसी कमांडर रह चुके हैं और सरकार के बड़े फैसलों में उनकी अहम भूमिका रहती है। 5. इस्माइल कानी- कुद्स फोर्स के प्रमुख इस्माइल कानी भी इस समय अहम माने जा रहे हैं। वे विदेशों में ईरान के सैन्य ऑपरेशन्स और रणनीति को संभालते हैं, इसलिए युद्ध के समय उनकी भूमिका और भी बढ़ जाती है।ईरान में खामेनेई समेत 40 से भी ज्यादा अधिकारियों के मारे जाने के बाद अमेरिका को यह जंग बड़ी कामयाबी नजर आ रही थी। लेकिन 17 दिन बाद हालात बदल चुके हैं। युद्ध का कोई साफ अंत नजर नहीं आ रहा है। ईरान ने जवाब में होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आपूर्ति रोक दी, जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट पहुंची है। ट्रम्प अब अपने सहयोगी नाटो देशों से होर्मुज में रास्ता खुलवाने की अपील कर रहे हैं। हालांकि इन देशों ने साफ कर दिया है कि वे होर्मुज स्ट्रेट में अपने वॉरशिप नहीं भेजेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देश इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने में मदद नहीं करते, तो नाटो का भविष्य खराब हो सकता है।

एलपीजी कालाबाजारी पर 70 एफआईआर,10 गिरफ्तार,योगी सरकार का कड़ा एक्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता

को लेकर योगी सरकार एक्शन मोड पर है. सीएम योगी के निर्देश के बाद पूरे प्रदेश में प्रवर्तन एजेंसियां (एनफोर्समेंट एजेंसी) सक्रिय हो गईं हैं. कालाबाजारी व अवैध बिक्री के खिलाफ स्पेशल कैंपेन चलाया जा रहा है. इसके तहत, 12 मार्च से अब तक यूपी में 4,816 इंस्पेक्शन और छापेमारी की गई है. इस दौरान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के खिलाफ 10 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि गैस की कालाबाजारी में पकड़ गये अन्य लोगों के विरुद्ध 60 एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की गई. मौके से 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. 67 लोगों के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई (कानूनी कार्रवाई) की गई है.योगी सरकार द्वारा 4,108 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के यहां कंज्यूमर को बुकिंग के अनुरूप गैस सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित कराने के लिए सख्त निगरानी की जा रही है. स्टॉक की नियमित समीक्षा (रेगुलर रिव्यू) की जा रही है. आवश्यकतानुसार रिफिल की उपलब्धता पर नजर रखी जा रही है.फूड कमिश्नर ऑफिस में पेट्रोलियम पदार्थों के डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए 24 घंटे एक्टिव कंट्रोल रूम बनाए गए हैं. यहां फूड एंड लॉजिस्टिक डिपार्टमेंट के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है. इसके अलावा होम कंट्रोल में भी अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है. जिलों में भी कंट्रोल रूम स्थापित कर दिए गए हैं, जो लगातार निगरानी कर रहे हैं. साथ ही, जिला पूर्ति अधिकारी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी फील्ड में हैं जो स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. वे कंज्यूमर तक एलपीजी की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं.योगी सरकार की इस पहल से लोगों को राहत मिली है. कंज्यूमर को बुकिंग के बाद एलपीजी मिल जा रहा है।

आज अयोध्या के राम मंदिर आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

अयोध्या। अयोध्या की रामनगरी में एक बार फिर बड़ा

धार्मिक आयोजन होने जा रहा है. इस कार्यक्रम में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगी. यह आयोजन चैत्र नवरात्र के पहले दिन यानी वर्ष प्रतिपदा के मौके पर होगा, जिसे हिंदू नववर्ष की शुरुआत माना जाता है. कार्यक्रम को खास और भव्य बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पूरी तैयारी कर ली है.श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय ने बताया कि श्रीराम यंत्र दो साल पहले जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था. वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा (पॉजिटिव एनर्जी) आकर्षित करने की क्षमता रखता है. वर्तमान में इस यंत्र की राजा राम के समक्ष नियमित पूजा-अर्चना चल रही है. 19 मार्च तक यह यंत्र श्रीराम मंदिर के दूसरे तल पर पहुंच जाएगा. नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुके हैं. इनमें दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या के विद्वान आचार्य शामिल हैं.राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज सुबह करीब 11 बजे अयोध्या पहुंचेंगी. राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनका स्वागत करेंगे. राष्ट्रपति श्रीराम मंदिर परिसर में प्रवेश कर श्रीराम यंत्र की पूजा-अर्चना करेंगी. अभिजित मुहूर्त में ठीक 11:55 बजे यंत्र की स्थापना का मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा. राष्ट्रपति मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच इस पवित्र कार्य में भाग लेंगी. पूजन के बाद राष्ट्रपति प्रसाद ग्रहण करेंगी और भोजन के पश्चात वापस रवाना होंगी.योगी आदित्यनाथ की सरकार इस कार्यक्रम को भव्य बनाने की पूरी तैयारी कर रही है. अयोध्या में मंदिर परिसर की साफ-सफाई, सजावट और सुरक्षा व्यवस्था पर खास ध्यान दिया जा रहा है. यह आयोजन सिर्फ धार्मिक कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले हजारों कार्यकर्ताओं को सम्मान देने का भी मौका होगा. माना जा रहा है कि अयोध्या में होने वाला यह कार्यक्रम पूरे देश के लिए आस्था और गर्व का पल बनेगा।

बेटे के साथ मारे गए ईरानी सिक्योरिटी चीफ अली लारिजानी,ईरान के लिए बड़ा झटका?

तेहरान। ईरान को अमेरिका और इजरायल के खिलाफ युद्ध में

अपने नेताओं की मौत के रूप में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है. ईरान की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारिजानी की भी अब इजरायली हमले में मौत हो गई. ईरान ने इस बात की पुष्टि की कि अली लारिजानी के बेटे मोर्तज़ा लारिजानी और बसीज अर्धसैनिक संगठन के उप प्रमुख कासिम कुरैशी भी उस हमले में मारे गए. इजरायल ने मंगलवार को दावा किया कि उसने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के स्वयंसेवी बल 'बासिज' के प्रमुख गुलामरजा सुलेमानी को भी मार गिराया है. इस बल को ईरान में प्रदर्शनों को दबाने के लिए एक अहम बल माना जाता है.ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, अली लारिजानी की मौत इस्लामिक रिपब्लिक के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि युद्ध के बीच उसके सबसे अनुभवी और प्रभावशाली नीति-निर्माताओं में से एक की हत्या हो गई. अली लारिजानी की मौत पर नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने कहा, 'शहीदों की पवित्र आत्माओं ने ईश्वर के धर्मनिष्ठ सेवक, शहीद डॉ. अली लारिजानी की पवित्र आत्मा का स्वागत किया. ईरान और इस्लामिक क्रांति की प्रगति के लिए आजीवन संघर्ष करने के बाद उन्होंने अंततः अपनी लंबे समय से संजोई हुई इच्छा पूरी की, ईश्वरीय आह्वान का उत्तर दिया और सेवा के मोर्चे पर सम्मानपूर्वक शहादत का सौभाग्य प्राप्त किया.' लारिजानी की मौत उनके बेटे मोर्तजा लारिजानी, उनके कार्यालय प्रमुख अलीरेजा बयात और कई बॉडीगार्ड्स के साथ हुई. इजरायल ने यह हमला बासिज फोर्स की एक बैठक के दौरान किया. यह बैठक फारसी त्योहार 'चहारशांबे सूरी' (आतिशबाजी बुधवार) के दौरान संभावित विरोध प्रदर्शनों से निपटने की रणनीति पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी. हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि परदिस, तेहरान में अपनी बेटी के घर पर इजरायली हमले में मारे गए।

तानाशाही फिर भला चुनाव क्यों? उत्तर कोरिया में 99.93फ़ीसदी वोटों से जीते किम जोंग उन

कोरिया। उत्तर कोरिया में 15 मार्च 2026 को हुए संसदीय चुनावों के नतीजे आ गए हैं. किम जोंग उन ने एक बार फिर ऐतिहासिक

जीत दर्ज की है. योनहाप न्यूज एजेंसी ने उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया के हवाले से बताया कि किम जोंग उन की वर्कर्स पार्टी और उनके सहयोगियों को 99.93 प्रतिशत वोट मिले हैं. हैरानी की बात यह है कि इस चुनाव में वोटिंग का प्रतिशत भी 99.99 रहा, यानी लगभग हर नागरिक ने वोट डाला. अब 15वीं सुप्रीम पीपल्स असेंबली के नए सदस्य देश की कमान संभालने और संविधान में बदलाव के लिए तैयार हैं. केसीएनए की रिपोर्ट के मुताबिक, इस नई असेंबली का पहला काम देश के राष्ट्रपति का चुनाव और 'सोशलिस्ट संविधान' में संशोधन करना होगा. योनहाप न्यूज एजेंसी का मानना है कि इस बार किम जोंग उन संविधान में दक्षिण कोरिया को आधिकारिक तौर पर अपना 'परम शत्रु' लिख सकते हैं. इस मीटिंग में किम जोंग उन अपनी नई विदेश नीति का एलान भी कर सकते हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया सिर्फ किम जोंग उन की ताकत को कानूनी रूप देने का एक तरीका है.इस चुनाव में 687 सीटों पर वोटिंग हुई, जिसमें एक बड़ा फेरबदल देखने को मिला है. योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, पिछले बार के मुकाबले 70 प्रतिशत से ज्यादा सांसद (डिप्टी) बदल दिए गए हैं. जानकारों का मानना है कि यह किम जोंग उन द्वारा अपनी पावर को और मजबूत करने की कोशिश है. चुने गए लोगों में किम जोंग उन की पावरफुल बहन किम यो-जोंग, विदेश मंत्री चो सन-हुई और किम के खास सहयोगी जो योंग-वोन शामिल हैं. वहीं पुराने दिग्गज चो रयोंग-हे को इस लिस्ट से बाहर कर दिया गया है.केसीएनए की रिपोर्ट में एक दिलचस्प डेटा यह दिया गया कि 0.07 प्रतिशत लोगों ने उम्मीदवारों के खिलाफ वोट दिया. जानकारों का कहना है कि इतने कम 'ना' वाले वोट सिर्फ दुनिया को यह दिखाने के लिए रखे जाते हैं कि वहां विरोध की आजादी है।

रूस का पाकिस्तान को ऑफर,कहा- जितना तेल चाहिए हमे बताए,हम देंगे नॉनस्टॉप

नयी दिल्ली। रूस ने पाकिस्तान को एक बड़ा ऑफर दिया है. रूस के राजदूत अल्बर्ट खोरेव ने मंगलवार को अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, न कि आम लोगों को.एक तरफ पाकिस्तान को ऑफर मिल रहा है, तो दूसरी

इस्लामाबाद में कहा कि अगर पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर हमसे बात करता है, तो रूस उसे बिना किसी रुकावट के लगातार तेल की सप्लाई करने के लिए तैयार है. यह ऑफर ऐसे समय में आया है जब मिडिल-ईस्ट में चल रहे युद्ध की वजह से पूरी दुनिया में पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं. 'पाकिस्तान टुडे' के मुताबिक, राजदूत खोरेव ने साफ किया कि एनर्जी सेक्टर दोनों देशों के बीच सहयोग का सबसे बड़ा जरिया है, लेकिन अभी तक पाकिस्तान की ओर से तेल के लिए कोई ऑफिशियल रिक्वेस्ट नहीं आई है.पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 20फीसदी तक बढ़ गई हैं. इसकी बड़ी वजह है 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना. ईरान ने अमेरिका और इजराइल के हमलों के जवाब में इस समुद्री रास्ते को ब्लॉक कर दिया है, जिससे दुनियाभर में तेल की सप्लाई चेन टूट गई है. रूसी राजदूत ने ईरान के मिनाब में एक लड़कियों के स्कूल पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है, जहां 170 बच्चों की मौत हो गई थी. उन्होंने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को खतरनाक बताते हुए सभी देशों से शांति की अपील की है. उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने केवल खाड़ी के पानी में मौजूद तरफ अमेरिका ने भारत को बड़ी राहत दी है. अमेरिकी वित्त विभाग ने 6 मार्च 2026 को एक 30-दिन का 'छूट' जारी किया है. इसके तहत भारतीय रिफाइनरियां उस रूसी तेल को भारत ला सकती हैं जो पहले से ही समुद्र में जहाजों पर लोड हो चुका है. यह छूट 4 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगी. अमेरिका का कहना है कि यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि दुनिया में तेल की कमी न हो और मार्केट में स्टेबिलिटी बनी रहे. हालांकि, अमेरिका ने साफ किया है कि यह केवल पुराने लोड हो चुके तेल के लिए है, नए सौदों के लिए नहीं.भारत सरकार ने इस मामले में अपना रुख एकदम क्लियर रखा है. सरकारी अधिकारियों का कहना है कि भारत ने कभी किसी से तेल खरीदने की 'परमिशन' नहीं मांगी है, भारत का फैसला उसकी अपनी नेशनल एनर्जी पॉलिसी पर आधारित है. वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका को घेरते हुए कहा कि यह अमेरिका की दोहरी नीति है, पहले वो भारत को रूसी तेल खरीदने से रोकना चाहता था और अब खुद ही छूट दे रहा है. इस छूट के बाद रूस के तेल टैंकरों सहित करीब 30 जहाजों ने मार्केट में एंट्री की है.

सऊदी अरब ने अचानक बुलाई इमरजेंसी मीटिंग,अरब-इस्लामिक मुल्कों को भेजा न्यौता

क़तर। ईरान युद्ध के बीच सऊदी अरब ने इस्लामिक मुल्कों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है. इस बैठक का मकसद क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को समर्थन देने के तरीकों

पर विचार-विमर्श और समन्वय करना है. मिडिल ईस्ट में इन दिनों ईरानी हमलों की वजह से तनाव काफी बढ़ा हुआ है. ईरान युद्ध की वजह से खाड़ी देशों में सुरक्षा संकट पैदा हो गया है. जहां अमेरिका और इजरायल मिलकर ईरान के ऊपर बम और मिसाइल बरसा रहे हैं, वहीं ईरान अपना बदला मिडिल ईस्ट में यूएस बेस और उसके हितों को निशाना बनाते हुए पूरा कर रहा है. इसमें सबसे ज्यादा मार यूएई और सऊदी को झेलनी पड़ी है. अब इसके समाधान के लिए सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि वह बुधवार शाम राजधानी रियाद में 'अरब और इस्लामी देशों के एक समूह के विदेश मंत्रियों' की एक उच्च स्तरीय बैठक की मेजबानी करेगा.यह उच्च स्तरीय बैठक मंगलवार को हुई गहन कूटनीतिक गतिविधियों के बाद आयोजित की जा रही है. सऊदी विदेश मंत्रालय द्वारा सोशल मीडिया एक्स पर किए गए एक पोस्ट के अनुसार, इस परामर्श सत्र का मुख्य फोकस 'क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को समर्थन देने के तरीकों पर विचार-विमर्श और समन्वय' होगा. ये अहम चर्चाएं ऐसे समय में हो रही हैं जब पूरे मध्य पूर्व में तेजी से तनाव और संघर्ष बढ़ रहा है.सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, इराक, सीरिया, अल्जीरिया और बोस्निया एवं हर्जेगोविना के अपने समकक्षों के साथ फोन पर कई दौर की बातचीत की, ताकि इस बैठक की रूपरेखा तैयार की जा सके. अंततः, बुधवार की यह बैठक अरब और इस्लामी देशों द्वारा मौजूदा संघर्ष के प्रभावों को संभालने के लिए एकजुट प्रयास का संकेत देती है. इस बैठक का मुख्य उद्देश्य तनाव को कम करने (डी-एस्केलेशन) के लिए एक रूपरेखा तैयार करना और क्षेत्रीय संकट को और बिगड़ने से रोकना है।

ईरान ने मोसाद के जासूस को फांसी दी,संवेदनशील इलाकों की तस्वीरें कर रहा था लीक

तेल अवीव। ईरान में एक आदमी को इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी के आरोप में फांसी दी गई है। तसनीम

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उसने देश के संवेदनशील इलाकों की तस्वीरें और अहम जानकारी मोसाद को भेजी थी। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी को पिछले साल जून में सवजबलाघ शहर से गिरफ्तार किया गया था, जब ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन का युद्ध चल रहा था। उसे स्वीडन में ऑनलाइन भर्ती किया गया था और एक ट्रैवल लिंक के जरिए उससे संपर्क किया गया था। इसी बीच ईरान ने अपने बड़े नेता अली लारिजानी की मौत के बाद इजराइल के कई शहरों पर मिसाइल अटैक किया है। ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बताया कि उसने इजराइल पर 'खोर्रमशहर-4' जैसी मिसाइल दागी है। इजराइल का कहना है कि उसने कई मिसाइलों को हवा में रोक लिया, लेकिन कुछ शहरों में मलबा गिरने से हादसे हुए हैं जिनमें 2 लोगों की मौत हो गई।ईरान ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव समेत 100 से ज्यादा जगहों पर मंगलवार रात को मिसाइल अटैक किया। ईरान का कहना है कि यह हमला लारिजानी, उनके बेटे और बसीज फोर्स के कमांडर गुलामरेजा सुलेमानी की मौत का बदला है।

इंदौर में EV चार्जिंग के दौरान घर जला,8 मौतें,लोग अंदर तड़पते रहें-डिजिटल लॉक नहीं खुले

इंदौर। इंदौर में इलेक्ट्रिक कार

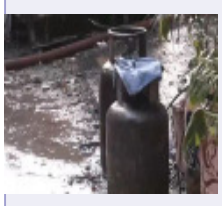

(टाटा पंच) में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिसने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया, उनकी गर्भवती बहू सिमरन सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं। मारे गए लोगों में से 6 मनोज के रिश्तेदार थे, जो मंगलवार को बिहार के किशनगंज से आए थे। घटना बुधवार तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर ब्रजेश्वरी कॉलोनी की है।पुलिस के अनुसार, कार से घर तक फैली आग ने अंदर रखे गैस सिलेंडरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे एक के बाद एक सिलेंडर फटने लगे। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। बिजली सप्लाई

बंद होने से घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए। अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। रहवासियों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सूचना देने के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचीं।

हरहुआ में अवैध खनन जोरों पर, शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं

अवैध खनन को लेकर ग्रामीणो में आक्रोश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। हरहुआ बड़ागांव

थाना क्षेत्र के कोईराजपुर सहित आसपास के कई इलाकों में इन दिनों अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है। ग्रामीणों के अनुसार दिनदहाड़े दर्जनों ट्रैक्टर सिंगल रोड पर तेज रफ्तार से दौड़ते हैं, जिससे आमजन, खासकर स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से लगातार अवैध खनन हो रहा है। आरोप है कि रात में भी किसानों के खेतों से जबरन मिट्टी उठाई जाती है। इसकी सूचना कई बार पुलिस को दी गई, लेकिन मौके पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने पुलिस पर मिलीभगत का भी आरोप लगाया है। मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बताया जाता है कि ओवरलोड मिट्टी लेकर जा रहे ट्रैक्टर से बचने के दौरान साइकिल सवार दो बच्चे सड़क किनारे गड्ढे में गिर गए। गनीमत रही कि दोनों को गंभीर चोट नहीं आई। ग्रामीणों के अनुसार तेज रफ्तार ट्रैक्टरों के कारण स्कूल आने-जाने वाले बच्चों के लिए हर दिन खतरा बना रहता है। इस संबंध में चौकी और पीआरबी 112 पर भी शिकायत की गई, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि दिन में भी अवैध खनन खुलेआम जारी है और कई ट्रैक्टर नाबालिगों द्वारा चलाए जा रहे हैं। वहीं, ट्रैफिक जांच के बावजूद ऐसे वाहनों पर कार्रवाई न होना सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही अवैध खनन पर रोक नहीं लगी, तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे।

उनका यह भी कहना है कि वरूणा नदी किनारे बड़े पैमाने पर मिट्टी खनन हो चुका है, लेकिन प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी।

ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध खनन से लाखों रुपये की मिट्टी का उठान हो चुका है, लेकिन बार-बार गुहार लगाने के बावजूद स्थानीय पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। वहीं, इस संबंध में जब हरहुआ पुलिस से बात करने की कोशिश की गई, तो स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका और मामला टाल दिया गया।

जल योद्धा बन पानी बचाएंगे विद्यार्थी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)प्रयागराज। सी.एम.पी.डिग्री कालेज एवं नासी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत आज कालेज में जल एवं हमारी सेहत,जल एवं वर्तमान चुनौतियाँ जल एवं हमारा भविष्य, जल एवं हमारे कर्तव्य।विषय पर निबंध लेखन का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों को

सर्टिफिकेट दिए गए। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को कार्यक्रम के दिन नासी के सभागार में पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम का संयोजन जल साक्षरता सर्टिफिकेट कोर्स के समन्वयक डॉक्टर प्रमोद शर्मा ने किया उन्होंने कहा कि भविष्य कैसा हो ये आज के युवा ही तय करेंगे भविष्य में हम पानीदार कैसे बनें इसको लेकर हम अभियान चला रहे हैं।जल योद्धा तैयार कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रो.अर्चना पांडेय, डॉक्टर डी.के.साहू, शोध छात्र अरुण कुमार वर्मा सहित छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में जल संकट गहराया, पीएचई विभाग मैदान से नदारत,कर्मचारी,अधिकारी फोन उठाना अपनी तौहीन समझ रहें!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मेहर।खनन क्षेत्र से सटे हुए गांव जैसे बठिया, बरहिया, तिलौरा, पिपरहट एवम झिर्रहट, करुआ, करतहा, देवरा, मंगरौरा, बरेठी, जैसे दर्जनों गांवों में वर्तमान में जल संकट गहराया हुआ है हैडपंप में पर्याप्त पाइप न होने के कारण पानी नही आ रहा है जबकि पर्याप्त मात्रा में नलकूपों में पानी है विभाग के द्वारा खराब पाइप निकाल तो लिए जाते हैं लेकिन नए पाइप नही डाले जाते जिससे पाइप की घटती संख्या के चलते पानी ऊपर नही आ पाता।

तीन सौ की आदिवासी बस्ती के लोग खदानों से पानी लाने को मजबूर है ऐसे में कोई घटना या ब्लास्टिंग युक्त पानी के इस्तेमाल से कोई शारीरिक बीमारी फैलने का खतरा पैदा होने की प्रबल संभावना है जिसका जिम्मेदार पीएचई विभाग ही होगा।

विभाग संबंधित कर्मचारियों एवम अधिकारियो को फोन किया जाता है तो उन्हें फोन उठाने का समय नही है।

टीईटी के विरोध मे शिक्षको ने चलाया पोस्ट कार्ड अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के नेतृत्व मे कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी जसरा मे बड़ी संख्या मे शिक्षक/शिक्षामित्र एकत्र हुए। और सेवारत शिक्षको के लिए टीईटी अनिवार्य किये जाने के विरोध मे शिक्षक की पाती कार्यक्रम वेः तहत महामहिम राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय वेः मुख्य न्यायाधीश,माननीय प्रधानमंत्री ,मुख्यमंत्री ,विपक्ष के नेता को पोस्ट कार्ड भेजकर निवेदन किया गया कि सेवारत शिक्षको को टीईटी की अनिवार्यरता से छूट दी जाय।प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष शंकर चन्द्र ने कहा कि 15-20 वर्षो की सेवा के बाद प्रतियोगी परीक्षा की बाध्यता अनुचित और अव्यवहारिक है। शिक्षा मित्र संघ ने जिलाध्यक्ष वसीम अहमद ने कहा कि इसके कारण लाखों-

लाख शिक्षको और इनवेः परिवारो का भविष्य संकट मे है।आरटीई एक्ट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षको पर टीईटी अनिवार्य किया जाना पूर्व से स्थापित भर्ती नियमो और सेवा शर्तो के विपरीत है। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार शुक्ल अध्यक्ष जसरा ने किया। दीपिका मंत्री ने सभी शिक्षको धन्यवाद दिया। अभियान मे उमेश कुमार शुक्ल ,दशरथ,पुष्पागिरि,निशा चौधरी ,रीतू सिंह, दिलीप तिवारी ,अब्दुल वुहूस खा,विजय मंगल,मधूलिका ,दिव्या सिंह, अर्चना शुक्ला,कमलेश यादव, अपर्णा योगेश्वर,लक्ष्मीनारायण पाण्डेय, संतोष,रावेन्द्र सिंह, गुरु दयालआदि भारी संख्या मे शिक्षक/शिक्षिका /शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

भारत की जनगणना-2027

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना 2027 के वेः संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, आगामी चरण में निर्देशित किया गया है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की

सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के दृष्टिगत जनपद रायबरेली में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयोजित 03 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच का अंतिम दिवस है, जो जिला पंचायत प्रतिनिधि सभागार, दरीबा, रायबरेली में संपन्न हो रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 36 फील्ड ट्रेनरों को शासन स्तर से प्रशिक्षित 04 मास्ट्रेनरों वेः द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा हैं, जो आगे चलकर जनगणना कार्य में अन्य कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। प्रशिक्षण वेः दौरान प्रतिभागियों को जनगणना की समस्त प्रक्रियाओं, डेटा संकलन की विधियों, डिजिटल उपकरणों वेः प्रभावी उपयोग, मोबाइल एप्लिकेशन के संचालन तथा शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों दिनांक 19, 20 एवं 23 को दो बैचों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें कुल 62 अन्य कार्मिकों/फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार जनपद में चरणबद्ध तरीके से सभी संबंधित कार्मिकों को प्रशिक्षित कर जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपादित करने की तैयारी की जा रही है। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु निर्देशित किया गया है कि सभी प्रशिक्षु प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही जानकारी को गंभीरता से ग्रहण करें तथा जनगणना कार्य में पूर्ण जिम्मेदारी एवं पारदर्शिता वेः साथ कार्य करें, जिससे जनपद के सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त हो सकें। साथ ही अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमृता सिंह द्वारा भी जाए तथा सभी कार्मिक समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है, अतः इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न हो तथा सभी संबंधित कार्मिकों को आवश्यक दक्षता प्रदान की जा सके, जिससे जनगणना 2027 का कार्य जनपद रायबरेली में सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सके. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी उपजिलाधिकारी सलोन सचिन यादव नामित किए गए हैं, जिनके निर्देशन में प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी का किया गया शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष

पूर्ण होने वेः उपलक्ष्य में आयोजित 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी का आयोजन आर0डी0ए0 के सामुदायिक केंद्र विकास प्राधिकरण रतापुर रायबरेली में आयोजित किया गया। मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार ने 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विषाल कुमार यादव, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह उपस्थित रही। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लगाए गए स्टॉलों का अतिथियों द्वारा भ्रमण कर अवलोकन किया गया एवं केंद्र सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों एवं जनहित में क्रियान्वित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं/परियोजनाओं/कार्यों पर आधारित सूचना विभाग द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया गया। लगाए गए स्टॉलों वेः अवलोकन वेः दौरान मा0 विधायक द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया। इसके पर्व लखनऊ में आयोजित मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। इसके पश्चात सभागार में दीप प्रज्वलित कर जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक/प्रमाण पत्र सहित प्रधानमंत्री आवास योजना वेः लाभार्थियों को आवास की चाभी व प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, उद्योग विभाग

के लाभार्थी किट आदि वितरित किया गया। सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के पंजीकृत दलों द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। मा0 विधायक सलोन ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में सुदृढ़ कानून व्यवस्था स्थापित की गई है जिसके अनुसार अपराध तथा अपराधियों वेः विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति प्रभावी रूप से लागू है। 7 बड़े महानगरों में पुलिस कमिश्नरेट की स्थापना के उपरांत पुलिसिंग, जनसमस्याओं के निस्तारण व अपराध नियंत्रण में गुणात्मक सुधार। वर्ष 2017 से अब तक एक भी सांप्रदायिक दंगा या जातिगत संघर्ष की घटना नहीं हुई। आत्मनिर्भर युवा के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत विभिन्न आयोगों एवं भर्ती बोर्ड द्वारा 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी। विगत 09 वर्षों में 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव से 1 करोड़ 10 लाख से अधिक युवाओं के लिए रोजगार व सेवायोजन वेः अवसर। 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे। 60 लाख रोजगार सृजित। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी की गई है। मानदेय वृद्धि का यह निर्णय आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता, पोषण अभियानों की प्रभावशीलता और मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों को और अधिक मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अपने नए इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, सर्वाधिक एक्सप्रेसवे के साथ, सर्वाधिक मेट्रो के साथ, सर्वाधिक रेलवे नेटवर्क के साथ, सर्वाधिक जन सुविधाओं के साथ देश के अंदर अग्रणी राज्य बनकर के उभरा है।मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, परियोजना निदेशक, डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्र, उपायुक्त (श्रम रोजगार) प्रमोद कुमार, उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 सविता सिंह, उप निदेशक कृषि विनोद कुमार, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, जिला दिव्यांगजन अधिकारी मोहन त्रिपाठी, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा सहित सम्बन्धित अधिकारी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय डाक विभाग द्वारा '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' व '48 स्पीड पोस्ट' सेवाओं का केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने किया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नयी दिल्ली। भारतीय डाक विभाग द्वारा '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' व '48 स्पीड पोस्ट' सेवाओं का शुभारंभ केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया द्वारा संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, सचिव (डाक) सुश्री वंदिता कौल, महानिदेशक डाक श्री जितेंद्र गुप्ता की उपस्थिति में 17 मार्च, 2026 को नई दिल्ली में किया गया। यह सेवाएँ प्रथम चरण में देश के 6 प्रमुख महानगरों–दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु एवं हैदराबाद–में उपलब्ध कराई जाएंगी, जहाँ 24 से 48 घंटे के भीतर स्पीड पोस्ट वितरण की सुनिश्चित गारंटी होगी। शुभारंभ कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया गया। गुजरात परिमंडल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल श्री?गणेश वी. सावळेश्वरकर, उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री?कृष्ण कुमार यादव, निदेशक डाक सेवाएँ श्रीसुरेख रेघुनाथेन और अन्य अधिकारियों ने क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद में इसे स्पीड पोस्ट और पार्सल से जुड़े तमाम ग्राहकों, कॉरपोरेट व विभागीय प्रतिनिधियों के साथ देखा और उनसे संवाद भी किया। इस अवसर पर एक कस्टमर मीट का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रवर अधीक्षक, रेल डाक सेवा श्री पियूष रजक और प्रवर अधीक्षक, अहमदाबाद सिटी मंडल श्री चिराग मेहता ने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से लोगों को डाक विभाग द्वारा किये जा नवाचार के बारे में जानकारी दी। इस दौरान, चीफ पोस्टमास्टर जनरल श्री गणेश वी. सावळेश्वरकर ने तमाम कॉरपोरेट ग्राहकों और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों से संवाद के दौरान कहा कि, '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' व '48 स्पीड पोस्ट' सेवा के

माध्यम से ग्राहकों को तेज, विश्वसनीय एवं समयबद्ध डिलीवरी का लाभ मिलेगा। इंडिया पोस्ट ने अत्यावश्यक एवं समय-संवेदी प्रेषणों के लिए तीन प्रीमियम, समयबद्ध स्पीड पोस्ट सेवाओं की शुरुआत की है। रविवार और छुट्टियों के दिन भी डाक विभाग द्वारा इनका वितरण किया जायेगा। '24 स्पीड पोस्ट' सेवा के तहत तत्काल और समयबद्ध शिपमेंट के लिए अगले दिन वितरण की गारंटी प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही, 24 और 48 स्पीड पोस्ट सेवाएं समर्पित प्रोसेसिंग विंडो और प्राथमिकता वाले हवाई परिवहन के माध्यम से सुनिश्चित डी प्लस 1 और डी प्लस 2 वितरण समय-सीमा प्रदान की जाएगी। यह पहल डाक विभाग की प्रीमियम सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि भारतीय डाक ने 1 अगस्त, 1986 को पत्रों और पार्सलों की समयबद्ध, कुशल और सुरक्षित डिलीवरी के लिए स्पीड पोस्ट सेवा की शुरुआत की थी। चार दशकों के इस सफर में यह प्रीमियम सेवा अब टेक्नोलॉजी-ड्रिवन और सबसे तेज़ डिलीवरी वाली सेवा बन गई है।माननीय केंद्रीय संचार मंत्री द्वारा आरंभ '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' व '48 स्पीड पोस्ट' सेवा में ओटीपी आधारित सुरक्षित वितरण, एसएमएस अलर्ट के साथ एंड-टू-एंड ट्रैकिंग, व्यावसायिक ग्राहकों के लिए बीएनपीएल सुविधा, बल्क बुकिंग के लिए निःशुल्क पिकअप, एपीआई इंटीग्रेशन और केंद्रीकृत बिलिंग जैसी सुविधाएं भी सम्मिलित हैं। साथ ही, सेवा में विलंब होने की स्थिति में मनी-बैक गारंटी का प्रावधान किया गया है, जो इंडिया पोस्ट की प्रीमियम एक्सप्रेस डिलीवरी क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ बनाता है। इसके अंतर्गत '24 स्पीड पोस्ट' में न्यूनतम 50 ग्राम और '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' में न्यूनतम 500 ग्राम तक के पार्सल स्वीकार किये जायेंगे। इस अवसर पर सहायक निदेशक श्री अल्पेश शाह, श्री वी.एम. वहोरा, श्री रितुल गांधी, डिप्टी अधीक्षक श्री दर्शन तपस्वी, सहायक अधीक्षक सुश्री किंजल शाह, सुश्री प्रेयल शाह, श्री जीनेश पटेल, श्री रमेश पटेल, श्री रोनक शाह, श्री भाविन प्रजापति, डाक निरीक्षक सुश्री पायल पटेल, योगेन्द्र राठोड, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव श्री दिपल महेता, सहित तमाम अधिकारी और विभिन्न कॉरपोरेट संस्थानों, विभागों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

'भावनात्मक संतुलन से प्रभावी भीड़ नियंत्रण पुलिस लाइन मैहर में सेमिनार'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। आज पुलिस लाइन मैहर में 'Emotional Quotient Skeb Crowd Control' विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार में श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा के मनोवैज्ञानिक श्री दिवाकर सिंह सिकरवार द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भीड़ नियंत्रण के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान श्री सिकरवार ने पुलिस स्टाफ को बताया कि भीड़-भाड़ वाले आयोजनों, मेलों एवं संवेदनशील परिस्थितियों में उत्पन्न होने वाले तनाव एवं गुस्से को कैसे नियंत्रित किया जाए। उन्होंने Emotional Quotient (EQ) के महत्व को समझाते हुए बताया कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य, संयम एवं सकारात्मक संवाद के माध्यम से प्रभावी भीड़ नियंत्रण किया जा सकता है। सेमिनार के दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा विभिन्न परिस्थितियों जैसे– अचानक भीड़ के उग्र होने, अफवाह फैलने अथवा अव्यवस्था की स्थिति में गुस्से को नियंत्रित करने के संबंध में प्रश्न पूछे गए, जिनका विशेषज्ञ द्वारा व्यवहारिक एवं उपयोगी समाधान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर, सीएससी महेंद्र सिंह चौहान, रक्षित निरीक्षक नृपेंद्र सिंह , समस्त थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बल को मानसिक रूप से सशक्त बनाते हुए, तनावपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी एवं संवेदनशील ढंग से कार्य करने हेतु प्रशिक्षित करना रहा।

नोएडा में 'लव जिहाद' प्रकरण को लेकर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के संयोजक विनोद चौहान ने किया विशाल धरना प्रदर्शन, सेक्टर 71 थाने का किया घेराव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आज नोएडा के सेक्टर 71 (थाना फेज-3) का घेराव कर लव जिहाद के एक गंभीर प्रकरण के विरुद्ध विशाल धरना प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन बजरंग दल के महानगर संयोजक विनोद चौहान के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य पीड़ित हिंदू बेटी को शीघ्र न्याय दिलाना और दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना था।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी की और मांग की कि लव जिहाद जैसी सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस को त्वरित और निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। प्रमुख पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति- इस आंदोलन को समर्थन देने के लिए मेरठ प्रांत और नोएडा विभाग के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे. मेरठ प्रांत विद्यार्थी प्रमुख समर सिंह जी, विभाग मंत्री ललित भारद्वाज जी, विभाग संयोजक सुमित यादव जी, और नोएडा महानगर जिला अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी जी, महानगर मंत्री दिनेश महावर जी, सह-मंत्री राजीव जी, और उपाध्यक्ष अनुराधा जी। मातृ शक्ति से श्रीमती सुमन चौहान, बजरंग दल सह संयोजक वीनोद बॉक्सर, प्रवेश द्विवेदी प्रवीन,सूरज मिश्रा रोहित, श्यामवीर, नितेश, नवीन, जी, चंदन जी, विष्णु जी, बलकेश जी, एम. के. श्रीवास्तव , प्रकाश जी, प्रचार प्रमुख नोएडा राहुल दुबे जी सहित समस्त जिलों के सैकड़ों कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक। प्रशासन को चेतावनी- धरना स्थल पर मौजूद वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यदि पीड़ित परिवार को समयबद्ध न्याय नहीं मिला और आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी हुई, तो संगठन उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। प्रदर्शन के अंत में पुलिस अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मामले की गहन जांच और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

प्राधिकरण द्वारा देविका गोल्ड होम्स में रजिस्ट्री को लेकर निर्देश जारी

निवासियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर किया खुशी का इजहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित देविका गोल्ड होम्स सोसाइटी में प्राधिकरण द्वारा रजिस्ट्री के लिए पत्र जारी होने पर निवासियों ने जमकर खुशी मनाई। निवासियों के प्रतिनिधि के रूप में कोर्ट और प्राधिकरण में अपना पक्ष रखने वाले निवासी एवं नेफोमा के मुख्य सलाहकार दीपक दूबे ने बताया कि वास्तव में छह वर्षों के संघर्ष के उपरांत आज हम लोग निवासी हुए क्योंकि अभी तक वास्तविक स्वामित्व हमारे पास था ही नहीं , सबसे अच्छी बात यह रही कि रजिस्ट्री के लिए प्राधिकरण ने एक वर्ष का समय दिया है जिसमें रजिस्ट्री पर कोई अतिरिक्त फाइन नहीं लगेगा, एक वर्ष उपरांत प्रतिदिन के हिसाब से फाइन लगेगा जो फ्लैट के एरिया के हिसाब से होगा। निवासी आनंद सिंह ने कहा कि हम लोगों के लिए तो असली होली आज है, प्रवीन सिंह ने कहा कि हम लोग बहुत मानसिक दबाव में थे वास्तविक जीत तो आज हुई है और इससे हम लोगों का भविष्य सुरक्षित होगा। इस विषय पर बोलते हुए नेफ़ोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने कहा कि रजिस्ट्री की समस्याओं से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के हजारों फ्लैट निवासी जूझ रहे हैं देविका गोल्ड में रजिस्ट्री का प्रारंभ होना सबके लिए एक उम्मीद की किरण बनी है।

निवासियों ने प्राधिकरण के सीईओ एन जी रवि और एसीईओ बिल्डर सौम्य श्रीवास्तव का भी सहयोग के लिए धन्यवाद किया इस अवसर पर आनंद सिंह अभिषेक आशीष कुलकर्णी, मुकुल मिश्र, गोल्डी कलेर निहारिका चतुर्वेदी, दीपक आर्य, शशांक, ब्रजेश श्रीवास्तव, चंद्रशेखर गुप्ता, अमित सिंह, नीरज चतुर्वेदी, अंतरिक्ष कुमार , प्रवीन सिंह, शिरीष पांडे इत्यादि उपस्थित थे।

सौहार्द की मिसाल बनेगा होली-ईद मिलन समारोह,मीडिया क्लब ने विधायक को दिया निमंत्रण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब द्वारा आगामी 22 मार्च को होली एवं ईद मिलन समारोह आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का उद्देश्य है। इसी क्रम में मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा विधायक पंकज सिंह से मुलाकात कर उन्हें समारोह में ससम्मान आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल ने कार्यक्रम के उद्देश्य और स्वरूप की विस्तृत जानकारी देते हुए उनके गरिमामयी आगमन का अनुरोध किया। इस अवसर पर विधायक पंकज सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि होली और ईद जैसे पर्व हमारी सांस्कृतिक विविधता और आपसी प्रेम के प्रतीक हैं, और इस तरह के मिलन समारोह समाज को जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं। उन्होंने मीडिया क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक संदेश देगा। मीडिया क्लब के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि विधायक पंकज सिंह की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ेगी तथा पत्रकारों के बीच उत्साह का माहौल बनेगा। साथ ही इस आयोजन के जरिए समाज में सौहार्द और एकता का संदेश भी सशक्त रूप से पहुंचेगा। इस अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब के महासचिव जयप्रकाश सिंह, सचिव जगदीश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अरुण सिन्हा, हरवीर चौहान, राहुल चौहान, योगेश राणा, दीप चौधरी सहित नोएडा मीडिया क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर को प्रीपेड करने पर व्यापार मंडल का कड़ा विरोध, उपभोक्ताओं में भारी रोष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा स्मार्ट मीटरों को बिना पूर्व सूचना के पोस्टपेड से प्रीपेड मोड पर बदलने के फैसले ने नोएडा सहित पूरे प्रदेश में विवाद खड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने इस प्रक्रिया को 'अनुचित और तानाशाही' करार देते हुए अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। प्रमुख मुद्दे और शिकायतें:-बिना सूचना बदलावः विकास जैन का आरोप है कि बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं को विश्वास में लिए बिना ही उनके मीटरों को

प्रीपेड मोड में स्विच कर दिया है, जो उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है। भुगतान के बाद भी अंधेराः नोएडा के कई क्षेत्रों से ऐसी शिकायतें आ रही हैं कि बिल जमा करने या पर्याप्त बैलेंस होने के बावजूद घरों की बिजली गुल है। तकनीकी खामियों के कारण रिचार्ज करने के बाद भी सप्लाई स्वतः बहाल नहीं हो रही है। सर्वर की समस्याः विभाग की आधिकारिक वेबसाइट और ऐप (UPPCL Smart App) के बिलकुल न चलने से उपभोक्ता अपना बैलेंस चेक करने या रिचार्ज करने में असमर्थ हैं। नेगेटिव बैलेंस का संकटः हाल ही में उत्तर प्रदेश में लगभग 2.23 लाख कनेक्शन नेगेटिव बैलेंस के कारण ऑटोमेटिक कट गए हैं।

26 हफ्ते में जन्मे नन्हे ने फेलिक्स हॉस्पिटल में जीती जिंदगी की जंग, 660 ग्राम से 1600 ग्राम तक पहुंचा वजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महज 26 हफ्ते के 660 ग्राम वजन के साथ जन्मे एक प्री-टर्म बच्चे ने फेलिक्स अस्पताल के डॉक्टरों की मेहनत और समय पर मिले इलाज की बदौलत जिंदगी की जंग जीत ली। डॉक्टरों के मुताबिक फर्रुखाबाद में जन्मे इस बच्चे को करीब 300 किलोमीटर दूर नोएडा लाना अपने आप में बड़ी चुनौती था। लेकिन विशेषज्ञों की देखरेख में इलाज के बाद अब बच्चे का वजन बढ़कर 1640 ग्राम हो गया है और उसकी स्थिति स्थिर है। उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। परिजन ने अस्पताल और डॉक्टरों का आभार जताया है। फेलिक्स अस्पताल के पीडियाट्रिक एंड नियोनेटोलॉजिस्ट कंसलटेंट डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि बच्चा दिव्या गुप्ता का है, जिसका जन्म समय से पहले यानी प्री-टर्म हुआ था। जन्म के समय उसका वजन बेहद कम यानी मात्र 660 ग्राम था, जिसे मेडिकल भाषा में 'एक्सट्रीम लो बर्थ वेट' माना जाता है। ऐसे बच्चों में जीवित रहने की संभावना भी कम होती है और कई तरह की जटिलताओं का खतरा बना रहता है। डॉक्टर ने बताया कि फर्रुखाबाद से नोएडा तक बच्चे को सुरक्षित लाना बेहद कठिन कार्य था। इतनी लंबी दूरी में नवजात की सांस, तापमान और अन्य महत्वपूर्ण पैरामीटर को स्थिर बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। रास्ते में थोड़ी भी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती थी। बावजूद इसके बच्चे को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचते ही बच्चे को एनआईसीयू (नवजात गहन चिकित्सा इकाई) में भर्ती कर लिया गया। शुरुआत में बच्चे को सांस लेने में दिक्कत थी, इसलिए उसे सीपेप सपोर्ट पर रखा गया। प्री-टर्म बच्चों में फेफड़ों का पूर्ण विकास नहीं होता, जिससे सांस संबंधी समस्याएं आम होती हैं। इसके अलावा संक्रमण, दिमागी विकास में बाधा, आंखों की बीमारी और ब्लड की कमी जैसी समस्याओं का भी खतरा रहता है। मगर डॉक्टरों की टीम ने लगातार निगरानी और आधुनिक तकनीक के जरिए बच्चे का इलाज किया। करीब पांच-छह दिन बाद उसकी स्थिति में सुधार होने पर उसे सीपेप से हटाकर एचएफएनसी सपोर्ट पर ट्रांसफर किया गया। इसके बाद बच्चे ने बेहतर रिस्पांस देना शुरू किया।

उपचार के दौरान बार-बार ब्लड ट्रांसफ्यूजन, सेंट्रल लाइन के माध्यम से टोटल पैरेंट्रल न्यूट्रिशन (टीपीएन), फेफड़ों की परिपक्वता के लिए सर्फैक्टेंट, और अन्य सहायक उपाय दिए गए। जिससे उसकी स्थिति में और सुधार हुआ। बच्चा लगभग 72 दिन तक फेलिक्स अस्पताल में विशेषज्ञों की देखरेख में एडमिट रहा।सबसे राहत की बात यह रही कि इतने लंबे इलाज के बाद भी बच्चा पूरी तरह से न्यूरोलॉजिकली फिट है। फिलहाल बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और उसे डिस्चार्ज कर दिया गया है। बच्चों के परिजन ने पूरी टीम और अस्पताल का धन्यवाद किया है। आमतौर पर ऐसे मामलों में दिमाग पर असर पड़ने का खतरा रहता है, लेकिन समय पर और सही इलाज के कारण इस बच्चे में ऐसा कोई नुकसान नहीं हुआ। साथ ही आंखों से जुड़ी गंभीर बीमारी 'रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी' का खतरा भी टल गया। अगर इस बच्चे को समय पर इलाज नहीं मिलता, तो उसे कई गंभीर समस्याएं हो सकती थीं। इनमें सांस लेने में स्थायी दिक्कत, दिमागी विकास में कमी, दृष्टि संबंधी समस्या या यहां तक कि जान का खतरा भी शामिल है। ऐसे बच्चों का इलाज केवल उन्नत सुविधाओं वाले अस्पतालों के एनआईसीयू में ही संभव है, जहां प्रशिक्षित डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हों। प्री-टर्म डिलीवरी की स्थिति में तुरंत विशेषज्ञ अस्पताल का रुख जरूरी है। नवजात को गर्म रखना, संक्रमण से बचाना और समय पर इलाज कराना बेहद जरूरी होता है। साथ ही गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच और डॉक्टर की सलाह का पालन करने से भी ऐसे मामलों को काफी हद तक रोका जा सकता है। यदि इस बच्चे को अस्पताल लाने में देरी होती तो उसकी हालत और बिगड़ सकती थी। लंबे समय तक बिना उचित मेडिकल सपोर्ट के रहने से फेफड़ों, दिमाग और अन्य अंगों को स्थायी नुकसान पहुंच सकता था।

गलगोटिया विश्वविद्यालय को आईआईटी बॉम्बे से 42 लाख रुपये का शोध अनुदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा ग्रेटर नोएडा गलगोटिया विश्वविद्यालय को आईआईटी बॉम्बे के टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब फॉर आईओटी द्वारा 42 लाख रुपये का शोध अनुदान प्राप्त हुआ है। यह अनुदान 'टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट प्रोग्राम' के अंतर्गत 'आम और तरबूज के लिए इंटेलिजेंट रिपनिंग डिटेक्टर का विकास' के लिये प्रदान किया गया है। टीआईएच, आईआईटी बॉम्बे में स्थापित एक गैर-लाभकारी सेक्शन-8 कंपनी है, जो भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित 'नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स' के तहत कार्य करती है। इस परियोजना का उद्देश्य एक किफायती, पोर्टेबल और स्मार्ट प्रणाली विकसित करना है, जो आम और तरबूज की विभिन्न प्रजातियों में पकने की अवस्था की पहचान कर सके तथा कृत्रिम रूप से पकाए गए फलों का भी पता लगा सके। इस परियोजना के प्रमुख अन्वेषक गलगोटिया विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अग्निव तापदार हैं। यह इंटेलिजेंट सिस्टम एक नवीन सेंसर-आधारित तकनीक और आंतरिक प्रतिबाधा संवेदन (इंट्रिंसिक इम्पीडेंस सेंसिंग) का उपयोग करेगा, जिससे फलों की आंतरिक विशेषताओं का बिना किसी बाहरी क्षति के विश्लेषण किया जा सकेगा। इस शोध के माध्यम से विभिन्न विकास चरणों में फलों की गुणवत्ता का सटीक आकलन संभव होगा। डॉ. अग्निव तापदार ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव कृषि, सेंसिंग तकनीक और इंटेलिजेंट सिस्टम के जुड़ाव पर आधारित अंतःविषय नवाचार को बढ़ावा देता है। यह परियोजना 'नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स' के उद्देश्यों के अनुरूप है।

चैत्र नवरात्रि मेले तैनात रहेंगे 14 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)मैहर। नवदिवसीय चैत्र नवरात्रि मेले में मां शारदा देवी मंदिर में आने वाले अत्यधिक संख्या में श्रृद्धालु और दर्शनार्थी की संभावना के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर श्रीमती रानी बाटड ने विभिन्न स्थानों पर 14 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तैनात किये है। इसके अनुसार कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने कर्तव्य स्थल पर सहयोगी कर्मचारी के साथ निर्धारित पाली में तैनात रहेंगे। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार रोपवे कन्ट्रोल रूम में प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक संयुक्त कलेक्टर एवं अनुभाग मजिस्ट्रेट अमरपाटन डॉ. आरती सिंह एवं प्रभारी राजस्व निरीक्षक लालमन साकेत तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक नायब तहसीलदार अमदरा षिवभूषण सिंह एवं राजस्व निरीक्षक कमल सिंह बागरी को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। इसी प्रकार सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम डयोढ़ी में प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक डिप्टी कलेक्टर आषिमा पटेल एवं पटवारी विवेक कुमार वर्मा तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक तहसीलदार जितेन्द्र पटेल एवं पटवारी जितेन्द्र कुमार दाहिया को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। मंदिर प्रांगण ऊपर प्रातः 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक की पाली में नायब तहसीलदार प्रवीण कुमार त्रिपाठी एवं पटवारी संजय गर्ग तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामनगर षिवप्रकाष मिश्रा एवं पटवारी अरूण सिंह को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। सेकण्ड राउण्ड सीढ़ी में प्रातः 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक की पाली में परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास अखिलेष दीपांकर तिवारी एवं पटवारी रामप्रकाष पाण्डेय तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक तहसीलदार प्रेमलाल चौधरी एवं पटवारी भूपेन्द्र खंगार को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। व्हीआईपी तल सीढ़ी चैनल गेट में प्रातः 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक नायब तहसीलदार ललित धार्वे एवं दोपहर 1 बजे से रात्रि में पट बंद होने तक तहसीलदार रामनगर अनामिका सिंह एवं प्रभारी राजस्व निरीक्षक दिवाकर मिश्रा को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। मेला प्रांगण फारेस्ट बैरियर से लालगेट प्रातः 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक नायब तहसीलदार अनिल सिंह एवं पटवारी लालमन सिंह और दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक नायब तहसीलदार रोशनलाल रावत एवं दिलीप परस्ते, मंदिर प्रांगण ऊपर रोवने चैनल गेट प्रातः 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक नायब तहसीलदार रामप्रकाष पाण्डेय एवं पटवारी असेन्द्र सिंह तथा दोपहर 1 बजे से रात्रि पट बंद होने तक परियोजना अधिकारी विद्याचरण तिवारी एवं पटवारी जितेन्द्र कुमार विष्वकर्मा को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। साथ ही रिजर्व में कृषि विस्तार अधिकारी विवेक षुक्ला, सहायक संचालक मत्स्य सुरजन सिंह, उप संचालक पषु एवं डेयरी विभाग प्रदीप द्विवेदी तथा कृषि विस्तार अधिकारी रितेष बागरी को शामिल किया गया है।

आईएमएस लॉ कॉलेज में नारीवादी आंदोलन पर प्रजेंटेशन प्रतिस्पर्धा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज के नयी पहल ज्यूरिस एकेडमिया सोसाइटी ने धर्मों के पार नारीवादी आंदोलनों एक सामाजिक विधिक दृष्टिकोण विषय पर प्रेजेंटेशन प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को धार्मिक परिप्रेक्ष्यों में नारीवादी आंदोलनों का गहन विश्लेषण तथा उनके सामाजिक एवं विधिक प्रभावों को समझने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिस्पर्धा से पूर्व प्रतिभागियों को शोध पद्धति, केस लॉ विश्लेषण एवं प्रभावी प्रस्तुति कौशल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। नयी पहल ज्यूरिस एकेडमिया सोसाइटी की संयोजक प्रो. स्वाती त्यागी ने बताया कि बुधवार को प्रतिस्पर्धा को दो श्रेणियों में विभाजित कर आयोजित की गई। प्रथम श्रेणी में सामाजिक आंदोलनों पर प्रस्तुति तथा द्वितीय श्रेणी में केस लॉ प्रस्तुति पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रतिस्पर्धा के दौरान 15 प्रतिभागियों ने सती प्रथा उन्मूलन, बाल विवाह, महिला शिक्षा, व्यक्तिगत विधि सुधार तथा महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों जैसे विषयों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं प्रतिस्पर्धा का मूल्यांकन प्रोफेसर (डॉ.) भाविश गुप्ता, व्यास कुमार यादव एवं डॉ. सचिन गोयल की निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। प्रतिस्पर्धा में निमिषा त्रिपाठी एवं अदीबा जंग प्रथम स्थान पाकर विजेता बनी। वहीं आकांक्षा बाजपेयी प्रथम उपविजेता तथा शाहीन खान द्वितीय उपविजेता रहीं। आईएमएस लॉ कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने कहा कि छात्रों में समालोचनात्मक सोच, विधिक जागरूकता एवं प्रभावी व्यक्तित्व कौशल के विकास के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताएं अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अकादमिक आयोजनों से विद्यार्थियों में न केवल विषय की गहन समझ विकसित होती है, बल्कि उनमें विश्लेषणात्मक सोच, शोध क्षमता एवं प्रभावी अभिव्यक्ति कौशल का भी विकास होता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं तथा उन्हें भविष्य के जिम्मेदार विधि-विशेषज्ञ बनने के लिए प्रेरित करती हैं। साथ ही, यह कार्यक्रम लिंग न्याय एवं नारीवादी आंदोलनों के सामाजिक-विधिक पहलुओं पर सार्थक संवाद को भी प्रोत्साहित करता है।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को निम्न जनपदों में ओलावृष्टि की संभावना है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समस्त जनपदों को यह सूचित किया जाता है कि मौसम विभाग द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार दिनांक 20.03.2026 को निम्न जनपदों में ओलावृष्टि की संभावना इस क्षेत्र में अधिक हैः-बांदा, फतेहपुर, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, जालौन, हमीरपुर एवं आसपास के इलाकों में। निम्न जनपदों में तड़ित झंझावात (गति 50-60 किमी/घंटा) की संभावना इस क्षेत्र में अधिक हैः- बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, जालौन, हमीरपुर एवं आसपास के इलाकों में। निम्न जनपदों में झोंकेदार हवा (गति 40-50 किमी/घंटा) की संभावना इस क्षेत्र में अधिक हैः- प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सुल्तानपुर, अयोध्या, कासगंज, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में। निम्न जनपदों में मेघगर्जन/वज्रपात की संभावना इस क्षेत्र में अधिक हैः- बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में। अतः उपरोक्त सभी जनपदों के प्रत्येक तहसीलों में यदि किसी प्रकार की अप्रिय घटना होती है तो राहत आयुक्त कार्यालय को तत्काल इसकी जानकारी देना व विस्तृत आख्या प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

अवैध बालू खनन पर वन विभाग की कड़ी कार्रवाई,बभनी क्षेत्र के पागन नदी से दो ट्रैक्टर जब्त

सोनभद्र। बभनी रेंज क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध बालू खनन

के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार सुबह करीब चार बजे लाम्बी टोला स्थित पागन नदी में छापेमारी कर दो बालू लदे ट्रैक्टर जब्त किए गए। दोनों ट्रैक्टरों को रेंज कार्यालय लाकर सीज कर दिया गया है, जबकि अज्ञात लोगों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बभनी रेंजर प्रेम प्रकाश ने बताया कि मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर डिप्टी रेंजर अभिषेक गुप्ता और वन दरोगा अरविंद तिवारी सहित एक टीम को मौके पर भेजा गया। टीम के पहुंचते ही वहां मौजूद बालू तस्कर ट्रैक्टर-ट्रॉली से बालू उतारने की कोशिश करने लगे। हालांकि, वन कर्मियों के करीब पहुंचने पर चालक और तस्कर ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गए। वन विभाग ने दोनों ट्रैक्टरों को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय में खड़ा कर सीज कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद अवैध खनन में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। रेंजर प्रेम प्रकाश ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि वन क्षेत्र में बालू, बोल्डर खनन या पेड़ों की कटाई करते हुए कोई भी व्यक्ति पकड़ा गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वन कर्मियों को नियामित गश्त और कड़ी निगरानी के निर्देश भी दिए हैं।

दुष्कर्म मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार,जुगैल पुलिस को मिली सफलता

सोनभद्र। जनपद की जुगैल पुलिस ने दुष्कर्म से संबंधित एक मामले में वांछित था। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के

मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी बुधवार, 18 मार्च 2026 को सुबह करीब 08:10 बजे चौरा तिराहा से मुखबिर की सूचना पर की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान घोरावल थाना क्षेत्र के कदरा गांव निवासी कुश पुत्र बच्चा दूबे (उम्र लगभग 21 वर्ष) के रूप में हुई है। वह थाना जुगैल में पंजीकृत मु.अ.सं.- 152/2025, धारा 137(2), 65(1), 64(2) बीएनएस और 3/4(2), 5L/6 पॉक्सो एक्ट से संबंधित निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार और क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के पर्यवेक्षण में महिला उत्पीड़न से संबंधित अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल दीपक कुमार और कांस्टेबल मुकेश कुमार शामिल थे, सभी थाना जुगैल, सोनभद्र से हैं।

शिक्षा चौपाल 2025-26ः शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। कम्पोजिट विद्यालय कैथी में शिक्षा चौपाल

2025-26 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रावट्‌र्सगंज के सभी विद्वान एआरपी, ब्लाक क्वालिटी वरूण त्रिपाठी, न्यायपंचायत के समस्त ग्राम प्रधान, समस्त सीएमसी अध्यक्ष व अभिभावकों की गरिमामय उपस्थिति रही।ए आर पी जनार्दन पाण्डेय ने आपरेशन कायाकल्प, ए आर पी कमलनरायण ने निपुण की बारिकियों और ए आर पी दिनेश मिश्र ने डबत डीबिटी, डिजिटल शिक्षा के उपयोग पर विस्तार से सभी शिक्षकों और अभिभावकों का मार्गदर्शन किया। बच्चों ने अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रतिभा का प्रदर्शन सरस्वती वंदना, डांडिया लोकनृत्य, नुक्कड नाटक, अंग्रेजी भाषा में उद्बोषण और पिरामिड की संरचना कर सबका मन मोह लिया। निपुण छात्रों को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न भेंट किए गए। राष्ट्रीय आविष्कार व इंस्पायर अवार्ड में चयनित बच्चों को भी प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कायाकल्प रत्न के रूप में विशिष्ट कार्य करने वाले प्रधान को सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों, अभिभावकों और सीएमसी अध्यक्षों ने निपुण शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन विद्वान संकुल साथी विजय प्रकाश द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम के समापन की घोषणा मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी राबट्‌र्सगंज महेंद्र कुमार मौर्य द्वारा की गई। नोडल संकुल शिक्षक अरविन्द दूबे द्वारा अतिथियों का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था में लगे संकुल साथी सत्यनरायण व संकुल साथी पप्पू चौहान ने सभी को एकजूट व अनुशासित व व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किये रखा जिसकी सभी ने प्रशंसा की।

सीएमओ ऑफिस का संविदाकर्मी रिश्वत लेते गिरफ्तार,वाराणसी एंटी करप्शन टीम ने पकड़ा

सोनभद्र। सीएमओ कार्यालय में कार्यरत एक संविदा

स्वास्थ्य कर्मी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। वाराणसी की एंटी करप्शन टीम ने उसे 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए सोनभद्र बस स्टेशन के पास से पकड़ा। आरोपी संविदाकर्मी की पहचान चंचल यादव के रूप में हुई है। जो स्वास्थ्य विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। चंचल यादव पर अल्ट्रासाउंड के रजिस्ट्रेशन के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप है। यह कार्रवाई निवासी पीलीकोठी, मिर्जापुर के पीली कोठी निवासी मीरा देवी, पत्नी रत्नेश कुमार शुक्ला, ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी इसके बाद यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी के बाद एंटी करप्शन टीम चंचल यादव को हिरासत में लेकर रॉबट्‌र्सगंज कोतवाली पहुंची। टीम उससे आगे की पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

ब्लॉक प्रमुख ने आरक्षण पर करि बैठक,दुद्धी में आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से हुई चर्चा

सोनभद्र। दुद्धी विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक प्रमुख मानसिंह

गोड़ ने बुधवार को अपने कार्यालय में आदिवासी समाज

के वरिष्ठजनों के साथ आरक्षण के मुद्दे पर एक बैठक की। इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में आदिवासी समाज के सदस्यों ने आरक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन और वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं में आरक्षण का उचित लाभ सुनिश्चित करने की मांग की। ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोड़ ने सभी प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं और सुझावों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। गोड़ ने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा और उन्हें उनका हक दिलाना उनकी प्राथमिकता है। इस बैठक में बबई सिंह मरकाम, सलबंदी मंत्री, मोहर लाल खरवार, अमर सिंह, राम नारायण गोड, देव साय उरेती, राम लखन गोड़ और रमाशंकर गोड सहित कई वरिष्ठ जन उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने और भविष्य में भी ऐसी बैठकें आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

फोल्डिंग बैरियर स्थापित कर मार्ग को एसपी ने टू वे किया संचालित,रावर्टसगंज रेलवे क्रॉसिंग पर जाम की समस्या का समाधान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रावर्टसगंज कोतवाली क्षेत्र

अंतर्गत रावर्टसगंज - पन्नूगंज मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान बैरियर बंद होने से निरंतर जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बुधवार को स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया और यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ0 चारू द्विवेदी ने त्वरित कार्यवाही करते हुए फोल्डिंग बैरियर स्थापित कर मार्ग को प्रभावी ढंग से टू वे संचालित कराया। इस सुव्यवस्थित व्यवस्था के परिणाम स्वरुप जाम की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा और आमजन को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। जनपद पुलिस आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और बेहतर यातायात प्रबंधन हेतु सतत प्रतिबद्ध है और इसी क्रम में प्रशासन द्वारा आगे भी आवश्यक कदम उठाए जाते रहेंगे।इस मौके पर यातायात प्रभारी निरीक्षक केके शुक्ला, टी एस आई भरत राय, शिवाजी राव सौरभ यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

रोजगार मेला में 37 कम्पनियों ने लिया भाग 1167 अभ्यर्थियों का चयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला सेवायोजन

कार्यालय द्वारा बुधवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) ग्राउण्ड परिसर, उरमौरा, राबट्‌र्सगंज में वृहद्द रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में लगभग 3500 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया और कुल 37 कम्पनियों ने हिस्सा लिया।इस रोजगार मेले में विभिन्न पदों पर कम्पानियों द्वारा कुल 1167 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री समाज कल्याण विभाग, उ0प्र0सरकार संजीव कुमार गोंड, उ0प्र0 अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, विधायक सदर भूपेश चौबे, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद रूबी प्रसाद, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, सहायक निदेशक (सेवायोजन), क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मिर्जापुर, अशोक कुमार प्रजापति, जिला सेवायोजन अधिकारी प्रमोद तिवारी, रोजगार मेला प्रभारी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव सेवायोजन कार्यालय के जमील अहमद, प्रदीप सिंह, पवन कुमार सोनकर, यंग प्रोफेशनल सुरेन्द्र प्रजापति, मनोज एवं अशोक उपस्थित रहे।

1100 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

सोनभद्र। जिले के बीजपुर स्थित दुदहिया मंदिर प्रांगण में

चैत्र नवरात्र के अवसर पर नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। इसके

लिए बुधवार सुबह एक विशाल कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में 1100 महिलाओं ने कलश धारण किए और हजारों की संख्या में श्रद्धालु पुरुष, महिलाएं व बच्चों ने भाग लिया। कलश यात्रा की शुरुआत बेड़िया हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद हुई। यह यात्रा बेड़िया हनुमान मंदिर से पैदल चलकर एनटीपीसी स्वागत द्वार तक पहुंची। इसके बाद, श्रद्धालु बसों द्वारा एनटीपीसी आवासीय परिसर से होते हुए वल्लभ पंत सागर पहुंचे, जहां से जल भरकर दोबारा मंदिर प्रांगण में लौटे। मंदिर में कलश स्थापित किए गए।इस दौरान पूरे इलाके में 'जय श्रीराम' के नारे गूंजते रहे और महिलाओं ने मंगल गीत गाए, जिससे ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। बेड़िया हनुमान मंदिर के महंत मदनगोपाल दास ने बताया कि नौ दिवसीय श्रीराम कथा गुरुवार शाम से प्रारंभ होगी। यह कथा हिमाचल से पधारे अंतरराष्ट्रीय कथावाचक श्री श्री 1008 राममोहन दास रामायणी के श्रीमुख से सुनाई जाएगी।कलश यात्रा में इंद्रेश सिंह, अनिल त्रिपाठी, श्रीराम यादव, बालगोविंद यादव, यशवंत सिंह, संदीप उपाध्याय, सुनील तिवारी, संतोष गुप्ता, चंदन गुप्ता, मनीष यादव सहित हजारों भक्तगण और विभिन्न तीर्थ स्थलों से आए संत-महात्मा व ग्रामीण उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह और उपनिरीक्षक श्रवण कुमार यादव अपनी टीम के साथ कलश यात्रा में मौजूद रहे।

सोया चंक्स के हेल्थ बेनिफिट्स,डाइटीशियन से जानें किन्हें नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। सोया चंक्स शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स है। इसमें प्रोटीन के साथ फाइबर, कैल्शियम और आयरन जैसे कई जरूरी पोषक तत्व भी होते हैं। ये मसल्स और हड्डियों को मजबूत रखने व शरीर की इम्यूनिटी को सपोर्ट करने में मदद करता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर-'वनडाइडट्डे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से. 'नेशनल सेंटर फॉर कॉम्प्लिमेंटरी एंड इंटीग्रेटिव हेल्थ ' के मुताबिक, सोया चंक्स कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में मददगार हैं। इससे महिलाओं में मेनोपॉज के दौरान होने वाले हॉट फ्लैशेज (अचानक तेज गर्मी महसूस होना) से भी राहत मिलती है। कुछ स्टडीज में पता चला है कि इससे ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क भी कम हो सकता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत रखने और ब्लड प्रेशर को संतुलित करने में भी मददगार है। हालांकि, हर व्यक्ति में इसका प्रभाव अलग हो सकता है। फिर भी संतुलित मात्रा में सोया चंक्स आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद है। सवाल- सोया चंक्स में कौन-कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं? जवाब- 'यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर ' के मुताबिक, 100 ग्राम सोया चंक्स में लगभग 50 ग्राम प्रोटीन होता है, जो मसल बिल्डिंग और रिकवरी के लिए बेहद फायदेमंद है। सोया चंक्स वेजिटेरियन और वीगन लोगों के लिए प्रोटीन का एक बेहतरीन सोर्स है। इसमें कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम जैसे कई जरूरी मिनरल्स भी पाए जाते हैं।सवाल- सोया चंक्स कैसे तैयार किए जाते हैं? जवाब- सोयाबीन से तेल निकालने के बाद बचे हुए हिस्से को बारीक पीस लिया जाता है। फिर इसे प्रोसेस करके 'सोया चंक्स' बनाए जाते हैं। इसे बनाने की प्रक्रिया समझिए- कच्चे सोयाबीन से तेल निकालकर बचे हुए 'डी-फैटेड सोया फ्लोर' को पानी के साथ मिक्सर में मिलाया जाता है, जिससे गाढ़ी स्लरी बनती है। यह स्लरी सोया नगेट 'एक्सट्रूडर कुकिंग मशीन' में डाली जाती है। इसके अंदर स्लरी को हाई टेम्परेचर और प्रेशर पर पकाया जाता है। मशीन पके हुए सोया पेस्ट को कटर की मदद से

छोटे-छोटे टुकड़ों में काट देती है। यह प्रक्रिया हाई प्रेशर में होती है, जिससे सोया चंक्स को स्पंजी टेक्सचर मिलता है। इन छोटे-छोटे टुकड़ों को ड्रायर में सुखा लिया जाता है। इनकी क्वालिटी जांचकर अंत में पैक करके बाजार में भेज दिया जाता है।सवाल- सोया चंक्स हमारी सेहत के लिए कितने फायदेमंद हैं? जवाब- सोया चंक्स एक हाई-प्रोटीन, लो-फैट और फाइबर से भरपूर फूड है, जो शरीर की कई जरूरतों को पूरा करता है। जैसेकि- सोया चंक्स में लगभग 52फीसदी प्रोटीन होता है, जो मसल्स ग्रोथ और रिपेयर में मदद करता है। हाई फाइबर और लो फैट होने के कारण इससे पेट देर तक भरा रहता है। यह वेट मैनेजमेंट में सपोर्ट करता है। बैड कोलेस्ट्रॉल कम करके हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करता है। कैल्शियम और फॉस्फोरस से भरपूर होने के कारण हड्डियों और दांतों को मजबूती देता है। आयरन से भरपूर होने के कारण हीमोग्लोबिन लेवल सुधारने में मदद करता है।इसमें मौजूद डाइटरी फाइबर पाचन बेहतर करता है। यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने में भी मदद करता है। सोया चंक्स में पौधे में पाया जाने वाला 'आइसोफ्लेवोन्स' कंपाउंड होता है। ये मेनोपॉज से गुजर रही महिलाओं में हॉट फ्लैशेज जैसी समस्याओं को कम करता है। इसमें मौजूद फॉस्फोरस ब्रेन फंक्शन और मेमोरी को सपोर्ट करता है।सवाल- सोया चंक्स को अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं? जवाब- इसे अपनी रोजमर्रा की डाइट में आसानी से शामिल कर सकते हैं। जैसेकि- इसे सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। चावल से बने व्यंजन जैसे, पुलाव या फ्राइड राइस में इस्तेमाल हो सकता है। इसे सूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। सोया चंक्स को उबालकर सलाद में मिला सकते हैं। इसे सब्जियों के साथ हल्का सा भूनकर भी खा सकते हैं।सवाल- क्या सोया चंक्स के ज्यादा सेवन से कोई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं? जवाब- हां, इसके ज्यादा सेवन के कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। जैसेकि- गैस, सूजन, अपच, दस्त, कुछ लोगों में सोया से एलर्जी भी होती है, जिससे खुजली, रैशेज या सांस लेने में परेशानी हो सकती है। सोया में मौजूद 'फाइटोएस्ट्रोजेन थायरॉइड' से पीड़ित लोगों में हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है। सवाल- एक दिन में कितना सोया चंक्स खाना सुरक्षित है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए एक दिन में 25 से 30 ग्राम सोया चंक्स सुरक्षित है। पकाने के बाद यह मात्रा लगभग एक बटे दो से 1 कटोरी हो जाती है।सवाल- क्या डायबिटिक लोग सोया चंक्स खा सकते हैं? जवाब- हां, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो होता है। इसलिए यह ब्लड शुगर धीरे-धीरे बढ़ाता है। यह डायबिटिक लोगों के लिए बेहतर विकल्प है। सवाल- क्या बच्चों को सोया चंक्स देना सही है? जवाब- हां, सीमित मात्रा में बच्चों को सोया चंक्स दिया जा सकता है।

ये उनकी ग्रोथ, मसल डेवलपमेंट और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। अगर बच्चे को कोई हेल्थ कंडीशन है तो पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें। सवाल- किन लोगों को सोया चंक्स नहीं खाना चाहिए? जवाब- डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि कुछ लोगों के लिए सोया चंक्स नुकसानदायक हो सकते हैं। सवाल- मार्केट से सोया चंक्स खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- सोया चंक्स खरीदते समय उनकी क्वालिटी पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। जैसेकि- पैकेट पर एफएसएसएआई नंबर जरूर देखें। मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट भी चेक करें। देखें कि पैकेट सील्ड है या नहीं। अजीब गंध वाले सोया चंक्स न खरीदें। ब्रांडेड और भरोसेमंद कंपनी के सोया चंक्स चुनें। इंग्रीडिएंट लिस्ट देखें। चेक करें कि इसमें अनावश्यक केमिकल या एडिटिव्स न हों।

सबसे बड़ा आईपीएल, इस बार 84 मुकाबले,28 मार्च को डिफेंडिंग चैम्पियन आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच से शुरुआत

बेंगलुरु। ठीक 10 दिन बाद, यानी 28 मार्च की शाम जब बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस के लिए सिक्का उछलेगा, तो भारत में सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एक 'त्योहार' की शुरुआत होगी। आईपीएल का 19वां सीजन अपने अब तक के सबसे भव्य और लंबे अवतार में हमारे सामने आ रहा है। यह सीजन पिछले 18 सालों के इतिहास से अलग है। इस बार 10 टीमों के बीच कुल 84 मुकाबले खेले जाएंगे, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा सीजन बनाएंगे। पहले अधिकतम 74 मैच होते थे। 10 टीमों के बीच देशभर के 13 अलग-अलग वेन्यू पर 64 दिन चौके-छक्के का रोमांच नजर आएगा। नए सीजन के लिए सभी 10 टीमों ने तैयारियां तेज कर दी हैं और प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप के जरिए खिलाड़ी मैच मोड में आने की कोशिश कर रहे हैं। वर्ल्ड कप खत्म होने के ठीक 20 दिन बाद आईपीएल शुरू हो रहा है। ऐसे में बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजी मिलकर कई प्रमुख खिलाड़ियों के वर्कलोड पर नजर भी रख रही हैं।चेन्नई के कप्तान ऋतुराज, धोनी समेत कई खिलाड़ी 1 मार्च से नवेलूर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास शुरू कर चुके हैं। वहीं, आरसीबी ने 10 फरवरी से कैंप शुरू किया, जिसमें जितेश, वेंकटेश और सुयश शर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल रहे। गुजरात के 16 फरवरी से नाथद्वारा में आयोजित कैंप में कप्तान शुभमन और साई सुदर्शन शामिल थे। टीम जनवरी में भी कैंप कर चुकी है। पंजाब किंग्स ने 8-14 फरवरी तक अबु धाबी में कैंप किया। टीम का दूसरा कैंप भी शुरू हो चुका है। लखनऊ ने अपने तेज गेंदबाजों को डरबन भेजा था। अब मुख्य कैंप लखनऊ में शुरू हो चुका है। सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई, राजस्थान, केकेआर, दिल्ली का भी कैंप शुरू हो चुका है। आईपीएल के 19 साल के सफर में तीन चेहरे ऐसे हैं, जिन्होंने इस लीग को 'कल्ट' बनाया। ये हैं एमएस धोनी, रोहित

शर्मा और विराट कोहली। यह आखिरी सीजन हो सकता है, जब तीनों एक साथ खेलते नजर आएं।चेन्नई के 'थाला' ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में कुछ हफ्ते पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। चर्चा है कि 44 साल की उम्र में यह धोनी का विदाई सीजन हो सकता है। लेकिन, उनकी फिटनेस और लंबे छक्कों को देखकर लगता है कि वे अब भी किसी युवा खिलाड़ी को मात दे सकते हैं। फ्रेंचाइजी के सूत्रों के अनुसार, इस बार वे शायद 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर ज्यादा नजर आएं।मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा कैंप से जुड़ गए हैं और प्रैक्टिस के दौरान नेट्स पर उनका आक्रामक अंदाज नजर आ रहा है। उन्होंने खास पुल शॉट और बड़े शॉट की प्रैक्टिस की। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने लीग से पहले 11 किलो वजन कम किया है। एक्सपर्ट्स में इस बात पर बहस है कि क्या उन्हें 'इम्पैक्ट प्लेयर' के बजाय फुल-टाइम बैटर के तौर पर खेलना चाहिए। आरसीबी ने 2025 में अपना पहला खिताब जीतकर 'किस्मत' बदल ली है। अब वे अंडरडॉग नहीं है बल्कि हर टीम उन्हें हराना चाहती है। इसके अलावा विराट कोहली के सामने पहली बार खिताब को बचाने की चुनौती है। भारत आने से पहले ही नए सीजन के लिए उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। कोहली भारत आ चुके हैं और जल्द ही वे कैंप से जुड़ सकते हैं।इस बार आईपीएल 10 शहरों तक सीमित नहीं है। बोर्ड ने इस बार 13 शहरों को मेजबानी सौंपी है। नॉर्थ-ईस्ट में क्रिकेट का क्रेज भुनाने के लिए राजस्थान अपने कुछ मैच जयपुर के अलावा गुवाहाटी में खेलेगी। असम के रियान पराग की कप्तानी ने इस बार वहां के प्रशंसकों में नया जोश भर दिया है। वहीं, पंजाब किंग्स के मुकाबले न्यू चंडीगढ़ के अलावा धर्मशाला में भी होंगे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को 'सेकेंड होम' के रूप में चुना है।केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा घुटने की सर्जरी के कारण पूरे या ज्यादातर सीजन से बाहर हो सकते हैं। हर्षित को यह चोट टी20 वर्ल्ड कप से पहले द. अफ्रीका के खिलाफ एक वॉर्म-अप मैच के दौरान लगी थी। इसके बाद फरवरी में उनकी सर्जरी हुई और वे रिहैब से गुजर रहे हैं। इसके अलावा, आरसीबी के जोश हेजलवुड और हैदराबाद के पैट कमिंस के भी शुरुआती मैचों में नहीं खेलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के दोनों पेसर चोट से उबर रहे हैं। कमिंस की गैरमौजूदगी में इशान किशन को कप्तानी मिल सकती है।पिछले कुछ सालों में टीमें ग्रुप में बंटी हुई थीं, लेकिन इस बार टूर्नामेंट अपने 'ओरिजिनल' और सबसे निष्पक्ष फॉर्मेट यानी डबल राउंड रॉबिन की ओर लौट रहा है। इसका मतलब है कि हर टीम दूसरी टीम से दो बार (होम और अवे) भिड़ेगी। आईपीएल में चार साल बाद इस फॉर्मेट की वापसी हो रही है। यह इसलिए खास है क्योंकि पॉइंट टेबल में किसी भी टीम को 'आसान ग्रुप' का फायदा नहीं मिलेगा। प्ले-ऑफ में पहुंचने के लिए टीम को हर विरोधी के खिलाफ अपनी ताकत साबित करनी होगी।ब्रॉडकास्टिंग में एआई का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगा। फैंस 'हाइपर-पर्सनलाइज्ड' कैमरा एंगल चुन सकेंगे। वे चाहें तो पूरे मैच के दौरान सिर्फ पसंदीदा खिलाड़ी पर फोकस कर सकते हैं। स्मार्ट बॉल्स व पिच का इस्तेमाल हो सकता है। कूकाबुरा ने स्मार्ट बॉल का परीक्षण पहले ही किया था, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक चिप होती है। चर्चा है कि बीसीसीआई स्मार्ट पिच टेक्निक पर काम कर रहा है। इसमें पिच की सतह के नीचे सेंसर होते हैं जो नमी और बाउंस का डेटा ब्रॉडकास्टर को भेजते हैं। एमिरेट्स बोर्ड ने कुछ समय पहले इसका ट्रायल किया था।

गर्मियां आ गयी हैं दही खाएं शरीर को ऊर्जा देने के साथ बीपी भी कम करेगा,12 हेल्थ बेनिफिट्स,जानें किसे नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। दही सेहत का खजाना है। इसमें एक साथ प्रोटीन, शुगर, गुड फैट और प्रोबायोटिक, सबकुछ मिल जाता है। स्वाद के साथ यह गट हेल्थ,

इम्यूनिटी और मेटाबॉलिज्म को भी रीसेट करता है। इतने सारे गुणों से भरपूर होने के कारण इसे सुपरफूड भी कहते हैं। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, नियमित दही खाने से हाई ब्लड प्रेशर का रिस्क 16-20फीसदी तक कम हो सकता है। साथ ही अगर हफ्ते में 5 या उससे ज्यादा बार बैलेंस डाइट के साथ दही खाई जाए तो ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में समझेंगे कि दही कैसे ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करती है। साथ ही जानेंगे कि-दही किन-किन बीमारियों में फायदेमंद है? यह गट माइक्रोबायोम को कैसे प्रभावित करती है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या दही बीमारियों से लड़ने में मददगार है? जवाब- हां, इसमें मौजूद जिंक, सेलेनियम और विटामिन डी जैसे न्यूट्रिएंट्स संक्रमण पैदा करने वाले वायरस और बैक्टीरिया के खिलाफ सुरक्षा कवच का काम करते हैं। दही खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। इसके नियमित सेवन से न केवल डाइजेस्टिव सिस्टम दुरुस्त रहता है, बल्कि यह शरीर में इंफ्लेमेशन को कम करके सर्दी-जुकाम से लेकर गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम करता है। सवाल- दही का हार्ट हेल्थ से क्या कनेक्शन है? जवाब- दही में पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स होते हैं। ये शरीर से एक्स्ट्रा सोडियम को बाहर निकालने में मदद करते हैं। इससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। साथ ही दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स (गुड बैक्टीरिया) शरीर का इंफ्लेमेशन कम करने में मदद करते हैं। दही में मौजूद बैक्टीरिया बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करने में भी मदद करते हैं। इंफ्लेमेशन और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) कार्डियोवस्कुलर डिजीज का सबसे बड़ा कारण हैं। अगर खाने में नियमित रूप से दही शामिल की जाए तो हार्ट डिजीज का रिस्क कम हो सकता है। सवाल- दही ब्लड प्रेशर को

कम करने में कैसे मदद करती है? जवाब- ब्लड प्रेशर बढ़ने की बड़ी वजह शरीर में सोडियम की अधिक मात्रा है। दही में मौजूद पोटेशियम इस अतिरिक्त सोडियम को शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। दही में मौजूद कुछ बायोएक्टिव पेप्टाइड्स ब्लड प्रेशर बढ़ाने के लिए जिम्मेदार एंजाइम्स की एक्टिविटी को कम करके ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करते हैं। इससे ब्लड प्रेशर कम होता है और फ्लो बेहतर होता है। सवाल- क्या दही का प्रभाव उम्र, जेंडर या बीएमआई के अनुसार ब्लड प्रेशर पर अलग-अलग होता है? जवाब- हां, नियमित दही खाने से हार्ट हेल्थ बेहतर रहती है। खासतौर पर मिड एज की महिलाओं में यह ज्यादा प्रभावशाली है। वहीं जिन लोगों का बीएमआई अधिक है, उन्हें सादा दही खाने से वजन और इंफ्लेमेशन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। हालांकि, इसका असर व्यक्ति की डाइट और लाइफस्टाइल पर भी निर्भर करता है। सवाल- दही का रोजाना सेवन बीपी के अलावा और किन बीमारियों के रिस्क को कम करने में मदद करता है? जवाब- दही सिर्फ ब्लड प्रेशर ही नहीं, बल्कि कई दूसरी समस्याओं के जोखिम को भी कम करने में मददगार है। सवाल- दही के हेल्थ बेनिफिट्स क्या हैं? जवाब- आमतौर पर लोग यह जानते हैं कि दही खाने से पाचन आसान हो जाता है। इसमें मौजूद बैक्टीरिया हमारे गट में मौजूद गुड बैक्टीरिया की संख्या में इजाफा करते हैं। इससे पाचन तंत्र सुधरता है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। यह हमारे दांत और हड्डियों की सेहत के लिए भी जरूरी है। सवाल- दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स गट माइक्रोबायोम को कैसे प्रभावित करते हैं? जवाब- दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स गट माइक्रोबायोम का संतुलन सुधारते हैं। प्रोबायोटिक्स माइक्रोबायोम को ऐसे प्रभावित करते हैं- बैड बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकते हैं। गैस, ब्लोटिंग, कब्ज या इरिटेबल बाउल सिंड्रोम जैसी समस्याओं में राहत देते हैं। इम्यून सिस्टम मजबूत करते हैं। हेल्दी गट माइक्रोबायोम गट-ब्रेन एक्सिस (गट और ब्रेन के बीच कम्युनिकेशन) को भी प्रभावित करते हैं। ये सेरोटोनिन जैसे 'फील-गुड' हॉर्मोन्स बढ़ाते हैं, जिससे मूड बेहतर रहता है। सवाल- दही खाने का सही समय क्या है? क्या रात में दही

खाना सुरक्षित है? जवाब- दही खाने का सही समय व्यक्ति की सेहत, मौसम और पाचन क्षमता पर निर्भर करता है। आमतौर पर दोपहर का समय बेहतर माना जाता है, क्योंकि इस समय डाइजेस्टिव कैपेसिटी सबसे मजबूत होती है और दही आसानी से पच जाता है।सवाल- क्या दवाओं के बिना, सिर्फ दही खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल किया जा सकता है? जवाब- नहीं, दही खाने से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद जरूर मिलती है, लेकिन यह दवाओं का विकल्प नहीं हो सकता है। ब्लड प्रेशर मैनेज करने के लिए दही के साथ हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना जरूरी है। सवाल- ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव जरूरी हैं? जवाब- इसके लिए अपनी रोजमर्रा की आदतों में कुछ जरूरी बदलाव करके ब्लड प्रेशर को काफी हद तक संतुलित रखा जा सकता है।सवाल- क्या खाली पेट दही खाना सही है? जवाब- खाली पेट दही खाने से पेट में एसिड बढ़ सकता है, जिससे गैस या बेचैनी महसूस हो सकती है। इसे हमेशा मेन कोर्स (दलिया या रोटी) के साथ एक 'साइड डिश' की तरह खाएं, ताकि पाचन तंत्र पर बुरा असर न पड़े। सवाल- क्या मीठा या फ्लेवर्ड दही भी उतना ही फायदेमंद है? जवाब- नहीं, इसमें एक्स्ट्रा शुगर और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं। ज्यादा शुगर से वजन और ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा रहता है। स्वाद के लिए सादे दही में ताजे फल या थोड़ा सा शहद मिलाया जा सकता है। सवाल- स्किन और बालों के लिए दही कितना फायदेमंद है? जवाब- दही नेचुरल मॉइश्चराइजर की तरह काम करता है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड और प्रोटीन स्किन की रंगत सुधारते हैं। साथ ही स्किन में मॉइश्चर और बालों की जड़ों को मजबूती व चमक प्रदान करते हैं। सवाल- किन परिस्थितियों में दही खाने से बचना चाहिए? जवाब- आमतौर पर दही सभी के लिए सेहतमंद है, लेकिन कुछ स्वास्थ्य समस्याओं में इससे परहेज करना ही बेहतर है। इन लोगों को दही का सेवन डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए- आर्थराइटिस के मरीज।अस्थमा या सांस संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोग। किडनी डिजीज से पीड़ित लोग। लैक्टोज इनटॉलेरेंट (डेयरी प्रोडक्ट्स से एलर्जी) लोग। गंभीर एसिडिटी या स्किन इश्यूज से परेशान लोग।

फुट मसाज से घटता स्ट्रेस,खुद से फुट मसाज करने के 9 टिप्स, न करें ये 7 गलतियां, डॉक्टर से जानें इसके 6 फायदे

नयी दिल्ली। दिनभर की भागदौड़, ऑफिस का दबाव, घर की जिम्मेदारियां और लगातार मोबाइल या कंप्यूटर

की स्क्रीन पर नजरें टिकाए रखना। इन सब चीजों का असर हमारे शरीर और दिमाग पर पड़ता है। इससे थकान बढ़ती है और मानसिक तनाव भी बना रहता है। अक्सर हम इतनी थकान के बावजूद काम को जारी रखते हैं। फुट मसाज यानी पैरों की मालिश एक आसान और असरदार तरीका है। यह न केवल बिना दवा के किया जा सकता है, बल्कि खर्च भी बहुत कम है। पैरों में शरीर के कई महत्वपूर्ण प्रेशर पॉइंट्स होते हैं, जिन्हें हल्के दबाव से मालिश करने पर तनाव कम होता है, नींद सुधरती है और दिमाग को शांति मिलती है। मामले को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या वाकई सिर्फ पैरों की मसाज से पूरा शरीर रिलैक्स हो सकता है? जवाब- साल 2022 में, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश्ड एक स्टडी के मुताबिक, रिफ्लेक्सोलॉजी (जिसमें पैरों, हाथों या कानों के कुछ खास बिंदुओं पर दबाव डाला जाता है) से तनाव कम होता है और शरीर को आराम मिलता है। पैरों की सतह पर मौजूद एक्यूप्रेशर पॉइंट्स सीधे दिमाग, दिल, किडनी, फेफड़े और रीढ़ की नसों से जुड़े होते हैं। जब हम इन पॉइंट्स पर हल्का दबाव डालते

हैं तो शरीर का नर्वस सिस्टम सक्रिय होता है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और मांसपेशियों की जकड़न कम होती है। इससे पूरे शरीर में रिलैक्सिंग हार्मोन (जैसे एंडोर्फिन और सेरोटोनिन) रिलीज होते हैं, जो तनाव

तनाव कम करने में मदद करती है और बेहतर नींद में सहायक हो सकती है। रोज रात सोने से पहले 10-15 मिनट तक पैरों की हल्की मसाज करने से पैर गर्म होते हैं और नसों की एंडिंग्स शांत हो जाती हैं। यह प्रक्रिया शरीर को 'रिस्ट मोड' में डाल देती है, जिससे जल्दी नींद आती है और नींद की क्वालिटी भी बेहतर होती है। खासकर जिन लोगों को बार-बार नींद से जागने या अनिद्रा की शिकायत होती है उनके लिए यह फायदेमंद साबित हो सकता है। सवाल- किन-किन तरीकों से पैरों की मसाज की जा सकती है? जवाब- हम बिना किसी ट्रेनिंग के पैरों की मालिश के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं, जिन्हें घर पर आजमाया जा सकता है। सवाल- क्या ऊपर बताए गए मसाज के तरीके किसी भी उम्र के लोग कर सकते हैं? जवाब- हां, ये तरीके 10 साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग तक, सभी के लिए फायदेमंद हैं। कुछ विशेष परिस्थितियों जैसे चोट लगी होने या बीमार होने पर मसाज करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। हालांकि सामान्य थकान, तनाव या नींद की परेशानी में ये उपाय सुरक्षित हैं। सवाल- क्या किसी विशेष समय पर मसाज करने से ज्यादा फायदा होता है? जवाब- रात को सोने से ठीक पहले किया गया फुट मसाज सबसे प्रभावी होता है। उस समय शरीर पहले से ही रिलैक्स मोड में होता है और मसाज दिमाग को नींद के लिए तैयार करता है। इसके अलावा, सुबह उठने के तुरंत बाद हल्का मसाज भी शरीर को एक्टिव रखने में मदद करता है। सवाल- मसाज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- पैरों की मालिश करते समय कुछ जरूरी बातें हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- क्या फुट मसाज सिर्फ तनाव कम करता है या और भी फायदे हैं? जवाब- पैरों की मालिश से न केवल तनाव और थकान घटती है, बल्कि ये शरीर के कई और हिस्सों पर भी सकारात्मक असर डालता है। आइए इसके फायदे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- क्या कोई घरेलू तरीके हैं जिससे पैरों की मालिश करने में आसानी हो? जवाब- हां, आप कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं,सवाल- क्या ये आदत रोज अपनाई जा सकती है? जवाब- बिल्कुल। 10-15 मिनट की यह आदत न सिर्फ तनाव घटाती है, बल्कि एक शॉर्ट मेडिटेशन का एक्सपीरियंस भी कराती है। खासतौर पर जब आप थकान से चूर हों, दिनभर भागदौड़ में उलझे हों और दिमाग शांत न हो तो इस तरीके को अपनाकर बिना किसी दवा या खर्च के गहरी राहत पा सकते हैं।

भारत की पहली इच्छामृत्यु पे बाग़ी विकास की कलम से...

प्रयागराज। लेखक के हरीश की इच्छामृत्यु करने की अपील करने वाले माता-पिता और इच्छामृत्यु देते हुए भावुक हो जाने वाले माननीय न्यायाधीश महोदय से मैं असहमत हूँ.. असहमति मेरा संवैधानिक अधिकार है.. और इस बेहद संवेदनशील प्रकरण पर अपना मत रखना भी मेरा मूलभूत अधिकार है.. हरीश के माता-पिता बीते साढ़े बारह साल से उसकी देख-रेख कर रहे हैं.. दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि उसके माता-पिता ने ही उसे मारने की क़ानूनी माँग की है और माँग को माने जाने का यह भारत में पहला मामला है.. हम भारतीय अपने किसी परिजन की मौत हो जाने बाद भी कुछ समय तक यक़ीन नहीं कर पाते कि वो मर गया है.. वहीं ये माता-पिता उसे मार देने की क़ानूनी सहमति माँग रहे हैं! शायद इसलिए क्योंकि अब वो इनके लिए बोझ हो गया है, जब तक यह उम्मीद रत्ती भर भी बाक़ी थी कि वह उठ बैठेगा, तब तक इन्होंने उसे मार देने की माँग नहीं उठाई.. हमारा पुरातन काल ही बेहतर था जब हम अपने परिजन की आख़िरी साँस तक सेवा करते थे, उम्मीद नहीं हारते थे, बिना इस आस के कि ये वापस उठकर हम माँ-बाप या परिजनों की सेवा करेगा.. हमारा मानव समाज वह है जो अपने अपंगतम् बच्चे का पालन-पोषण भी जी-जान लगाकर करता रहा है.. ऐसे में हरीश के माता-पिता ने अपने उस बच्चे को मार डालने की गुहार लगा दी जो शायद अब उनके लिए खड़ा नहीं हो सकता था, दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि माननीय जज़ साहब ने भी घड़ियाली आँसू बहाते हुए यह कह दिया कि मार डालो इसे.. काश! कि वो यह फ़ैसला सुनाते कि तुम माँ-बाप ने इसे पैदा किया है तो इसकी आख़िरी साँस तक इसकी देखभाल करना तुम्हारा ही काम है.. कितना दुःखद है कि हमारे देश की किसी अदालत ने एक ऐसे व्यक्ति को मृत्युदण्ड की सज़ा सुना दी जिसका इसके सिवा कोई दोष नहीं हैं कि वो अपने माता-पिता

के बुढ़ापे की लाठी नहीं बन सकता है.. तक़रीबन दस साल पहले मेरे पड़ोस में एक एयरमैन जिनकी बेटी आईएएस है, के लैब्राडॉर कुत्ते टायसन को बहुत बीमार होने पर ज़हर का इंजेक्शन इसलिए दे दिया गया क्योंकि उसे बचाया नहीं जा सकता था, उसकी तक़लीफ़ से उसके उपरोक्त मालिक बहुत दुःखी थे इसलिए उसे मार डाला गया, बीते कुछ सालों से वो मालिक यानी एयरमैन साहब भी असहनीय शारीरिक तक़लीफ़ से गुज़र रहे हैं, लेकिन उनकी तक़लीफ़ दूर करने के लिए उन्हें ज़हर का इंजेक्शन नहीं दिया गया जैसे कि उनके क्यूट से कुत्ते टायसन को दिया गया था.. कहने का आशय यह कि 'हरीश की तक़लीफ़ देखी नहीं जा रही, यह कहकर उसे मार डालना ग़लत है', मारना ही था तो उसके घर वालों को मारा जाता जिनके लिए वो बोझ हो गया था और हरीश को मारने की बजाय उसकी देखभाल की ज़िम्मेदारी सरकार को उठानी चाहिए थी, लेकिन सरकार जागृत लोगों की ज़िम्मेदारी तो उठाती नहीं है, कोमा में गए लोगों की ज़िम्मेदारी क्या ही उठाएगी.. तीन बातें और! टायसन के बग़ल में एक पॉमेरेनियन और दो जर्मन शेफ़र्ड कुत्ते और पाले गए थे, जिनके नाम क्रमशः स्नोई, ब्रूटो और गोगो थे, ये तीनों प्यारे कुत्ते अपने पालने वाले मालिकों सहित मोहल्ले के सभी बच्चों की जान थे, इन कुत्तों के बीमार होने पर पूरा मोहल्ला चिन्तित हो जाता था, क्योंकि वो सिर्फ़ पालतू जानवर ही नहीं उस मोहल्ले के हर परिवार के सदस्य भी थे और उनके न रहने पर वो मालिक ही नहीं पूरा मोहल्ला कई दिनों तक दुःखी रहा था.. हरीश तो मनुष्य है/था लेकिन शायद उसे पालने वाले या देखरेख करने वाले मनुष्य नहीं हैं.. असल में हमारा परिवेश और तथाकथित सभ्य समाज क्रूरतम हो चुका है, जो विदेश से मँगाकर चीते पालने का पक्षधर तो है लेकिन एक मनुष्य को सिर्फ़ इसलिए मार दे रहा है क्योंकि वह साढ़े बारह साल से कोमा में है और अब उसके वापस उठ बैठने की वैज्ञानिक या चिकित्सीय सम्भावना नहीं है.. मशहूर वैज्ञानिक स्टीफ़ेन हॉकिंग साहब अगर आज जीवित होते तो शायद अपने कम्प्यूटर में सुसाइड का कमाण्ड देकर आत्महत्या कर लेते। कुल मिलाकर मैं यह समझ पाया कि कुछ जी रहे जीवों द्वारा यह तय नहीं किया जा सकता है कि 'किसी भी तरह से अब तक जी रहे जीव को फ़लाँ कारण से मार दिया जाए, अगर जीवन रक्षक प्रणाली से किसी को जीवित रखा जा सकता है तो उसे किसी भी कारण से मारा नहीं जाना चाहिए, वर्ना इन जीवन रक्षक प्रणालियों का क्या ही मतलब है, यदि इन प्रणालियों से कोई जीव साढ़े बारह साल से जीवित है, भले ही वह सक्रिय नहीं है तो इन प्रणालियों को हटा लेना ज़हर का इंजेक्शन देना ही है.. इतिहास गवाह है कि जो चीज़ें कल तक सम्भव नहीं थीं वो आज सम्भव हैं और जो चीज़ें आज सम्भव नहीं हैं उनके आने वाले कल में सम्भव होने की सम्भावना है.. इसलिए जो जीव सवा दशक से सर्वाइव कर रहा है उसे किसी भी तरह मार कर समाज, सरकार, साइंस यह अमानवीय घोषणा कर रही है कि भविष्य में मेडिकल साइंस के लिए वह कर पाना सम्भव नहीं है जो आज असम्भव लग रहा है.. हरीश की जगह अपने आप को रखकर देखिए तो समझ में आएगा.. (यह लेखक के निजी विचार हैं,'बाग़ी' विकास)

बिना भरोसे से क्विक कॉमर्स ने खरीदार और दुकानदारों को बदल दिया

कोविड के बाद कुछ वर्षों तक मैं परफ्यूम ऑनलाइन ही खरीदता था। क्योंकि ये सुविधाजनक था। घर पर डिलीवरी होती थी। ऑनलाइन-ऑफलाइन की प्रक्रिया भी एक

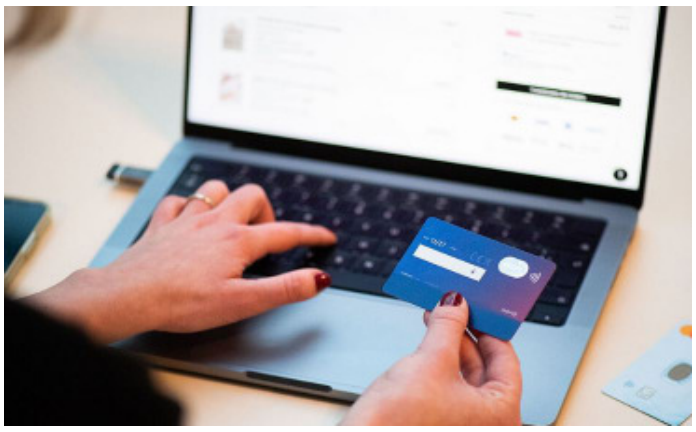

जैसी थी और ये कांच की बोतलों की सार संभाल भी कर लेते थे। लेकिन बीते एक साल से मैंने ऑनलाइन खरीदारी बंद कर दी। क्योंकि कुछेक बार मुझे खराब अनुभव हुआ। मंगाया गया सामान मुझे नहीं मिला, बोतलें टूटी हुई और दूसरे फ्रेगरेंस की बोतल भेज दी गई। इसे बदलने में भी बहुत समय लगा, जिसके कारण मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसने मुझे कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) मोड पर खरीदने के लिए मजबूर किया। लेकिन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म सीओडी मोड पर ज्यादा पैसे लेने लगे। उन्होंने 50 रुपए तक के कई अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ना शुरु कर दिया। इसीलिए मैं सभी गैर जरूरी चीजें अपनी यात्राओं के दौरान हवाई अड्डों पर स्थित दुकानों से खरीदने लग गया। बोर्डिंग गेट पर इंतजार के वक्त मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा समय व्यर्थ हो रहा है। इसके अलावा उन दुकानों पर टेस्टर भी उपलब्ध थे, जिससे मुझे सही फ्रेगरेंस चुनने में सहायता मिलती थी। ऐसा मैं अकेला नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के एक पूरे वर्ग को तत्काल डिलीवरी मांगने पर बिल में जोड़े गए शुल्क चुभने लगे हैं। बाजार के बड़े हिस्से पर दबदबा रखने वाले प्लेटफॉर्म बिल में कई सारे शुल्क जोड़ने लग गए हैं, जैसे हैंडलिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज, स्मॉल कार्ट शुल्क, बरसात का शुल्क और कभी-कभी सर्ज फीस। इससे वाकई में बिल बहुत बढ़ जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे घरों के आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने अब अपनी रणनीति बदल दी। वे अब क्विक कॉमर्स से भी अधिक त्वरित हो गए हैं। उन्होंने डिलीवरी करने वाले लड़कों में निवेश किया और वो चाहते हैं कि पड़ोस के ग्राहक सिर्फ उनसे ही सामान खरीदें। वे अपने दिमाग में एक नक्शा बना लेते हैं कि वे कहां तक सामान की डिलीवरी कर सकते हैं। और वो ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनकी बिक्री चलती रहे। जाहिर है कि ये दुकानदार डिलीवरी करने वाले लड़कों की तनख्वाह पर खर्च के लिए तैयार हैं और इस खर्च की भरपाई के लिए वे अधिक से अधिक इलाकों में पहुंच बनाते हैं।

इससे उनकी बिक्री बढ़ती है। इस उपाय से उनकी दुकानों पर भी व्यस्तता रहने लगी है, जो पहले सिर्फ वहां तक आने वाले ग्राहकों की सेवा तक ही सीमित थीं। खरीदारों की आदत में एक बड़ा बदलाव यह भी आया है कि वे अब कुछेक ऑर्डर एक साथ मिला कर खरीदारी करते हैं, ताकि हर ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क देने से बचा जा सके।

इन दिनों डिलीवरी बॉय बड़े थैलों के साथ आते है, जो महज छह माह पहले तक छोटे-छोटे थैले लेकर आते थे। पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे क्विक कॉमर्स के जरिए कितनी बार ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब ये आदत नहीं रही।

आपात स्थिति में टमाटर, कड़ी पत्ता जैसी सब्जियां और अन्य उपभोग की चीजें अब समीप के दुकानदारों से ली जा रही हैं, जो इन्हें 10 मिनट डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी अधिक तेजी से पहुंचाने के लिए तैयार हैं।

ये उन प्लेटफॉर्म्स के लिए भी सुविधाजनक है, जो कम मूल्य की उन छोटी-छोटी खरीदारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं, जो शुरुआती तौर पर हमें आलसी बनाने के लिए थीं।

चूंकि हम उपभोक्ता जल्दी से आलस्य की बीमारी में फंस गए तो इन प्लेटफॉर्म ने अपनी तिजोरी भरने के लिए कई प्रकार के शुल्क लगाना शुरू कर दिया। और अंत में यह चक्र पूरा हुआ।

ग्राहक अब भी आलसी बने हुए हैं और सामान खरीदने के लिए घर से बाहर नहीं जाना चाहते। दुकानदारों ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म की ओर चले गए उपभोक्ताओं को वापस लाने के लिए डिलीवरी बॉय की सेवाएं जोड़ दीं। कुछ ग्राहक बाहर जाकर सामान खरीदने को तैयार हो रहे हैं। और प्लेटफॉर्म उन अमीर ग्राहकों को सेवा देकर खुश हैं, जो घर पर बैठकर सामान अपने दरवाजे पर मंगाना चाहते हैं। फंडा यह है कि इससे पहले कि खरीदारी के ये आधुनिक साधन हमारी जेब से ज्यादा पैसा ले उड़ें, हमें उस आपसी भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों की ओर वापस लौटना होगा, जो कभी हम दुकानदारों के साथ रखते थे।

क्या आपकी कंपनी मोमेंट मार्केटिंग के साथ विज्ञापन में बेहतर है?

तकरीबन तीन हफ्ते पहले हिंद महासागर में एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के दौरान ब्रिटेन का लड़ाकू विमान एफ-35बी खराब मौसम के कारण डायवर्ट हो गया था। जब

वह वापस विमानवाहक पोत पर नहीं लौट पाया तो केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कम से कम 110 मिलियन डॉलर का ये विमान तब से ही वहां मरम्मत के लिए खड़ा था। इंजीनियरों के कई प्रयासों के बावजूद ये ठीक नहीं हो पाया।यूके रॉयल नेवी को किसी भी शर्मनाक स्थिति से बचाने के लिए इस शनिवार तक इंजीनियरों की टीम जब विमान को फिर शुरू करने के अथक प्रयास कर रही थी, इसी बीच केरल की मार्केटिंग टीमें, मीम मेकर्स तेजी से सक्रिय हो गए।केरल पर्यटन विभाग ने शुरुआत की। अपने स्लोगन 'गॉड्स ओन कंट्री' के प्रमोशन में यूके की आपदा को, विभाग ने खुद के लिए अवसर में बदल लिया। पर्यटन विभाग ने एआई से बनाया पोस्टर लॉन्च किया। इसमें कीमती विमान को लेकर मजाकिया 'रिव्यु' लिखा।मानो विमान खुद कह रहा हो, 'केरल शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। मैं निश्चित ही इस जगह को फाइव स्टार रेटिंग दूंगा।' पोस्टर के नीचे एक कैप्शन लिखा था 'केरल-ऐसी जगह, जहां से आप कभी जाना नहीं चाहेंगे।' ये पोस्ट तत्काल वायरल हो गई और लोगों का ध्यान खींचने लगी। इंटरनेट पर सक्रिय लोगों ने इसे लेकर खूब मजाकिया टिप्पणियां की। शीघ्र ही कई अन्य लोगों ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। गैजेट की एक छोटी दुकान ने भी इसी चित्र को जुलाई की बिक्री बढ़ाने के लिए काम में लिया, जो बरसाती मौसम में हमेशा घट जाती थी। 'क्या हुआ जो ये टूट गया, इसे जोड़ना क्या हमारा काम नहीं है?'इस विज्ञापन उत्सव में खाने के ब्रांड भी शामिल हो गए। एक विज्ञापन में जेट ने एक फूड ब्रांड को भी फाइव स्टार रेटिंग दी और इसमें कहा 'पवन फूड ने मेरी यात्रा को जायकेदार बना दिया। हर निवाले में घर जैसा स्वाद।' एक अन्य ने भी इस चित्र के साथ जोड़ा 'बहुत महंगा टी ब्रेक, दुनिया का अत्याधुनिक जेट भी खुद को केरल में ठहरने से नहीं रोक पाया। अच्छा नाश्ता आपके साथ ऐसा ही करेगा।' फेस टिश्यू बेचने वाली कंपनी ने पसीने से तरबतर पायलट को तरोताजा रखने को लेकर मजाक किया। उसने कहा 'सबकुछ योजना के अनुसार ही नहीं होता, जरा जेट से पूछिए।पर अच्छी बात है कि तरोताजा रहना तो आपके हाथ में है।' सब्जी बाजार ने एआई इमेजेस का उपयोग किया, जिनमें पायलट एक हाथ में गोभी, दूसरे में टोकरी लिए सब्जी ले रहा है। शिक्षण संस्थानों ने दावा किया कि पायलट इसलिए उतरा, क्योंकि वह उनके यहां एक कोर्स की पढ़ाई करना चाहता है। हालांकि विमान का असली पायलट तो कभी का वापस जा चुका था।वैवाहिक सेवाएं देने वाले पायलट के लिए उत्तम जोड़ी ढूंढने लगे और पीवीसी पाइप निर्माता कंपनी ने जेट के लिए एक बरसात रोधी शेल्टर बनाने की पेशकश की। जब सभी लोग जेट के चित्र के साथ हो हल्ला कर रहे थे तो केरल का डेयरी विभाग कहां चुप रहने वाला था। उसने नारा दिया 'चलिए, आखिरकार कौन एक कूल ब्रेक लेना नहीं चाहेगा?' इसे मोमेंट मार्केटिंग कहा जाता है, जो डिजिटल मार्केटिंग की एक प्रमुख रणनीति है।इसके जरिए हम रचनात्मक तरीके से तात्कालिक घटनाओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी क्रिएटिव टीम में थोड़ी परिस्थिति संबंधी बुद्धिमता है, यानि उसमें ट्रेंडिंग या घट रही स्थितियों पर रचनात्मक मजाकिया वन लाइनर बनाने का गुण है तो आपका ब्रांड इंटरनेट पर मौकों को भुना सकता है और डिजिटल यूजर्स के दिमाग में जगह बना लेगा। और यही किसी विज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण काम होता है।सोचिए कि आपकी टीम मोमेंट मार्केटिंग में कितनी बेहतर है। अमूल एक राष्ट्रीय ब्रांड के तौर पर हर सप्ताह ऐसा कर रहा है। यह समाचारों में ट्रेंड कर रही किसी चीज को फिर से छूता है, इससे उपभोक्ताओं से जुड़ाव में सहायता मिलती है और उसे ट्रेंडिंग विषय को फिर से याद दिलाता है।फंडा यह है कि ग्राहक के दिमाग में चीजें बैठा देना ही मार्केटिंग है और इसके लिए मोमेंट मार्केटिंग से बेहतर क्या हो सकता है।

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है।वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है।पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है।

इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए।वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है।

जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं।थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है।

वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है।फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं।

अधिकतर परिवारों के लिए फोन बेबीसिटर बन गए हैं

अगर आप ग्रामीण भारत में किसी पैसेंजर ट्रेन में सफर कर रहे हैं तो आपको कुछ ऐसा दृश्य दिख सकता है- चलती ट्रेन में भी

किचन की जिम्मेदारी संभाल रही एक युवा मां अपने हैंडबैग में हाथ डालती है। उसका साल भर का बेटा राहुल (काल्पनिक नाम) बेचैन है। उसके नन्हे-से हाथ मां की कलाई की कांच की चूड़ियों पर पहुंच रहे हैं। मां अभ्यस्त तरीके से अपना स्मार्टफोन अनलॉक करती है, डांसिंग फ्रूट्स के हाई-कॉन्ट्रास्ट एनिमेशन खोलती है और फोन बेटे को दे देती है। वह धीरे से कहती है, 'राहुल बैठे रहो, मम्मी को खाना बनाना है।' वह लोअर बर्थों के बीच की छोटी-सी जगह पर जाती है, स्टेनलेस स्टील के डिब्बे खोलती है और स्नैक्स बनाने का मेहनत भरा काम शुरू करती है। कुछ कुरमुरे मिक्स करती है, धनिया पत्ती के साथ कुछ प्याज और हरी मिर्च काटती है, नींबू निचोड़ती है। इस पर नमक और लाल मिर्च छिड़क कर बातों में तल्लीन अपने पति और तीन बुजुर्ग रिश्तेदारों को परोसती है। अगले एक घंटे तक माहौल अविस्मरणीय तरीके से शांत रहता है। ट्रेन चले जा रही है। ट्रैक बदलते हुए झटके खाती है। रेल जॉइंट्स पर लयबद्ध तरीके से उछलती है, जिसका कंपन फर्श में महसूस होता है। कुछ बड़े बच्चे डिब्बे की खिड़की से बाहर गायों को देख रहे हैं या ऊपरी बर्थ पर चढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन राहुल 'आज्ञाकारी' मूर्ति बना बैठा है। वह नीले रंग की फॉक्स-लेदर सीट पर पालथी मारकर बैठा है, रीढ़ प्रश्नचिन्ह की तरह झुकी है। उसकी गर्दन नीचे है और ठुड्डी लगभग छाती से चिपक गई है। खिड़की के बाहर सरसों के हरे खेत, लहराते पाम ट्रीज, स्टेशन वेंडर्स की 'चाय-गरम' की आवाजें जैसे भारतीय परिदृश्य के विविध रंगों और शोर-शराबे को वह देख तक नहीं पाता। उसकी आंखें जमी हुई हैं। स्क्रीन की ब्लू लाइट उसकी पुतलियों में रिफ्लेक्ट हो रही है, जो डिब्बे की गर्म और धुंधली रोशनी से बिल्कुल अलग है। हालांकि ट्रेन के मूवमेंट से उसका वेस्टिब्युलर सिस्टम (भीतरी कान की संतुलन और स्थान की समझ) सक्रिय होना चाहिए, लेकिन यह डिजिटल एकाग्रता उसकी शारीरिक हकीकत को 'म्यूट' कर देती है। उसके दिमाग एक बड़ा सेंसरी मिसमैच झेल रहा है- शरीर तो ट्रेन के झटके महसूस कर रहा है, लेकिन आंखें स्थिर और सपाट कार्टून जग?त देख रही हैं। रिश्तेदारों के लिए राहुल एक 'ड्रीम चाइल्ड' है। एक आंटी ने कहा, 'देखो कितना शांत है, मां को बिल्कुल परेशान नहीं करता।' हां, सतही तौर पर देखने वाले के लिए वह 'वेल बिहेव' बच्चा है, लेकिन किसी डेवलपमेंटल स्पेशलिस्ट के लिए वह अपने प्राकृतिक विकास में शांत अवरोध झेल रहा होता है। वे इस शांत अवरोध को नहीं देख पाते। वे यह नहीं समझ पाते कि उसकी 'आज्ञाकारिता' असल में न्यूरोलॉजिकल दबाव की स्थिति है। जब तक स्नैक्स परोसे जाएंगे और अंततः फोन हटाया जाएगा, राहुल का दिमाग थक चुका होगा। ऐसा खोजबीन के कारण नहीं, बल्कि हजारों चमकती तस्वीरों को प्रोसेस करने के दबाव से होता है। जबकि चलती ट्रेन के बीच उसका शारीरिक विकास, जैसे चलने, संतुलन बनाने और बातचीत करने की जरूरत ठहर चुकी होती है। यह कहानी बताती है कि भारत में बच्चों को समय से पहले मोबाइल देना एक 'खामोश अवरोधक' है। यह बहुत जाहिराना तरीके से नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि खामोशी से दिमाग निर्मित करने वाले पलों को चुरा लेता है। एक साल के बच्चे के लिए तो गत्ते का डिब्बा ही स्पेसशिप, चम्मच एक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट और ग्रैंड पैरेंट्स की जेब में रखी हर चीज दुनिया को समझने का जरिया होती है। ग्रैंड पैरेंट्स का चेहरा ही उसकी पूरी दुनिया होती है। इनकी जगह जब हम उसके हाथ में पांच इंच की स्क्रीन थमा देते हैं तो कुछ मिनट की शांति के बदले पूरी जिंदगी की कॉग्निटिव और शारीरिक क्षमताओं का सौदा कर लेते हैं। क्लिनिकों में 1 से 5 साल के ऐसे बहुत बच्चे आ रहे हैं, जो कम बोलते हैं, आई कॉन्टैक्ट से बचते हैं और फोकस करने में परेशानी महसूस करते हैं। संभवतः यह जरूरत से अधिक स्क्रीन एक्सपोजर का असर हो। फंडा यह है कि अगर आपका 1 से 5 साल का बच्चा है तो उसकी दुनिया को पांच इंच की स्क्रीन तक सीमित मत करिए। (एन. रघुरामन)

क्या हमारी रसोई को बिजली से चलाने का समय अब आ गया है?

भारत में रसोई को अकसर घर का दिल कहा जाता है। लेकिन इसके पीछे एक असहज सच भी छिपा है- हमारी रसोई अमूमन घर के सबसे प्रदूषित स्थानों में से एक होती है। आज जब पश्चिम एशिया के संघर्षों और तेल-गैस की अनिश्चित आपूर्ति के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार अस्थिर है, तब भारत को पुनर्विचार करना होगा कि वह कैसे खाना पकाता है। भारतीय रसोई को चरणबद्ध तरीके से बिजली आधारित बनाने की दिशा में दीर्घकालिक योजना पर अब गंभीरता से विचार आवश्यक है। दशकों से खाना पकाने से होने वाला इनडोर वायु प्रदूषण चुपचाप करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता आ रहा है। यह समस्या विशेष रूप से ग्रामीण भारत और गरीब शहरी परिवारों में अधिक गंभीर है। अध्ययनों से पता चला है कि बायोमास ईंधन से चलने वाली रसोई में प्रदूषण का स्तर सुरक्षित सीमा से कई गुना अधिक होता है। शहरी मध्यमवर्गीय घरों में भी स्थिति पूरी तरह सुरक्षित नहीं है, जहां घर के भीतर वायु गुणवत्ता कई बार बाहर की हवा से पांच से दस गुना खराब पाई गई है। भारतीय घरों में खराब हवा की दोहरी समस्या है- एक ओर ईंधन का प्रकार और दूसरी ओर खाना पकाने के तरीके। तेज आंच पर पकाना, तेल और मसालों से उठने वाला धुआं मिलकर इसे प्रदूषण का केंद्र बना देते हैं। शोध बताते हैं कि खाना पकाने से उत्पन्न प्रदूषण का संबंध दमा, फेफड़ों की क्रॉनिक बीमारी, हृदय रोग, मोतियाबिंद, त्वचा और आंखों की समस्याओं तथा समय से पहले मृत्यु से है। महिलाएं, जो रसोई में अधिक समय बिताती हैं, और छोटे बच्चे, जो अकसर मांओं के पास रहते हैं, इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।भारत ने इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। एलपीजी के विस्तार से कई घरों में बायोमास पर निर्भरता कम हुई है। इससे महिलाओं को राहत मिली और धुएं में कमी आई। लेकिन एलपीजी अंतिम समाधान नहीं है। यह अभी भी जीवाश्म ईंधन है, जिसकी कीमत और उपलब्धता वैश्विक स्थितियों पर निर्भर करती है। ऐसे में बिजली आधारित रसोई एक अधिक टिकाऊ और भरोसेमंद विकल्प के रूप में सामने आती है।

कुलदीप यादव की दुल्हन के साथ विंटेज कार से एंट्री,सीएम योगी के पैर छुए,अखिलेश ने गले लगाया

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने शादी के बाद मंगलवार को लखनऊ के फाइव स्टार होटल 'द सेंट्रम' में रिसेप्शन पार्टी दी। कुलदीप अपनी दुल्हन वंशिका के साथ ट्रेडिशनल लुक में नजर आए। कुलदीप ने ब्लैक कलर का प्रिंस सूट तो वंशिका ने क्रीम कलर की साड़ी पहनी। जिस पर रेड स्टोन का वर्क था। जोड़ी बेहद खूबसूरत और शाही लग रही थी। होटल में फूलों की वर्षा के साथ इस जोड़े का जोरदार अभिनंदन किया गया। रिसेप्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ, यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, पूर्व सीएम अखिलेश यादव, कांग्रेस सांसद और बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला समेत कई सियासी हस्तियां पहुंचीं थीं। कुलदीप ने सीएम योगी के 2 बार पैर छुए। अखिलेश ने कुलदीप को गले लगाकर दांपत्य जीवन की बधाई दी। रिसेप्शन में टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर, क्रिकेटर शिखर धवन और रविंद्र जडेजा पत्नी के साथ आए थे। कुलदीप ने 14 मार्च को बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ शादी की थी। उत्तराखंड के मसूरी में परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में शादी हुई थी।रिसेप्शन

में सबसे खास मोमेंट कुलदीप और वंशिका की एंट्री रही। कुलदीप अपनी दुल्हन वंशिका के साथ रोल्स-रॉयस विंटेज कार में सवार होकर होटल द सेंट्रम पहुंचे। 1960 मॉडल की यह कार दिल्ली से मंगवाई गई थी। कुलदीप और वंशिका बचपन के दोस्त हैं। कुलदीप यादव का पैतृक घर कानपुर के लाल बंगला इलाके में है, जबकि वंशिका सिंह का परिवार वहां से लगभग तीन किलोमीटर दूर श्याम नगर इलाके में रहता है। वंशिका ने ऑस्ट्रेलिया से पढ़ाई की है। उनकी मां मां वंदना सिंह ऑस्ट्रेलिया में कॉर्पोरेट सेक्टर से जुड़ी हैं। पिता अवनिंद्र सिंह भारतीय जीवन बीमा निगम में कानपुर के जोनल कार्यालय में कार्यरत हैं। यूपी के सीएम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रिसेप्शन में पहुंचे थे। कुलदीप ने अपना संस्कार दिखाते हुए दौड़कर योगी के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया, जबकि वंशिका ने हाथ जोड़कर नमस्ते किया। सीएम ने बुके भेंट कर नवदंपती को सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी। योगी कुलदीप और वंशिका के लिए अलग-अलग गिफ्ट लेकर गए थे। योगी ने वहां एक छोटे से बच्चे के साथ थोड़ी सी मस्ती की, जिसने सभी का मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। योगी ने बच्चे को एक चॉकलेट दी। सीएम योगी के जाने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव रिसेप्शन में पहुंचे। कुलदीप यादव जैसे ही पैर छूने के लिए झुके, अखिलेश ने उन्हें पकड़ लिया और गले लगाकर बधाई दी। दुल्हन वंशिका ने अखिलेश के पैर छुए। सपा प्रमुख ने दोनों बुके और गिफ्ट दिए।भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी मंच पर पहुंचकर कुलदीप को गले लगाया। क्रिकेट की दुनिया से रविंद्र जडेजा और शिखर धवन इस कार्यक्रम में सपरिवार शामिल हुए। धवन और जडेजा पत्नी के साथ पहुंचे थे। स्टेज पर कुलदी-वंशिका के बीच उनकी जबरदस्त बॉन्डिंग दिखी। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल जैसे क्रिकेट सितारों के शामिल होने से समारोह को चार चांद लग गए।

बंगाल में ममता ने 74 विधायकों के टिकट काटे,ममता-सुवेंदु भबानीपुर में भिड़ेंगे

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की कुल 294 सीटों में से 291 सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया। बाकी 3 सीटें सहयोगी बीजीपीएम को दी हैं। ममता ने 74

विधायकों (करीब एक तिहाई) के टिकट काट दिए हैं। 15 विधायकों की सीटें बदली गई हैं। ममता बनर्जी भबानीपुर से चुनाव लड़ेंगी। उनका मुकाबला भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी से होगा। 2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में सुवेंदु ने ममता को नंदीग्राम सीट पर हरा दिया था। ममता ने लिस्ट जारी करते हुए कहा कि मैं बीजेपी से कहना चाहती हूं कि आप डर क्यों रहे हैं। अगर लड़ना है तो गैस संकट पैदा मत कीजिए। मैदान में आकर सही तरीके से मुकाबला कीजिए।ममता ने सेलिब्रिटी चेहरों से दूरी बनाई। जमीनी नेता और कार्यकर्ताओं पर ज्यादा भरोसा जताया। 2021 में 15 सेलिब्रिटी को टिकट दिया था। इस बार 2 सेलिब्रिटीज को टिकट मिला है। - लिस्ट में 52 महिलाएं हैं। 47 उम्मीदवार अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। - 40 साल से कम उम्र के 42 उम्मीदवारों को टिकट मिला। - लिस्ट में 95 कैंडिटेट्स एससी/एसटी कैंडिडेंट्स हैं।14 साल से सीएम ममता के सामने बीजेपी मुख्य चुनौती है। 2026 के चुनाव में टीएमसी जीती तो ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। वे ऐसा करने वाली देश पहली महिला होंगी। जयललिता के नाम 5 बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड है। हालांकि, वह 1991 से 2016 तक अलग-अलग कार्यकाल (लगातार नहीं) में मुख्यमंत्री पद पर रहीं। कांग्रेस ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए 55 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर सीट से, वीडी सतीसन को परावूर से, चांडी ओम्मन को पुथुपल्ली सीट से मैदान में उतारा गया है। राज्य में विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल को होंगे और नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।असम के कांग्रेस लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा राज्य में विधानसभा चुनावों से ठीक 20 दिन पहले आया है। राज्य मीडिया विभाग के अध्यक्ष बेदाब्रत बोरा ने पीटीआई को बताया कि बोरदोलोई ने अपना इस्तीफा पत्र एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है। राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री और नगांव निर्वाचन क्षेत्र से दो बार सांसद रहे बोरदोलोई के बेटे, 9 अप्रैल को होने वाले राज्य चुनावों के लिए मार्घेरिटा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। खड़गे को संबोधित अपने एक-पंक्ति के इस्तीफा पत्र में, सांसद ने कहा, 'आज अत्यंत दुख के साथ, मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सभी पदों, विशेषाधिकारों और प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा देता हूं।'यूडीएफ की प्रमुख घटक पार्टी आईयूएमएल ने मंगलवार को केरल विधानसभा चुनावों के लिए 25 उम्मीदवारों की सूची जारी की। इनमें कई मौजूदा विधायक और कुछ नए नाम शामिल हैं। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के सुप्रीमो सादिक अली शिहाब थंगल और अन्य पार्टी नेताओं ने शाम को यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस सूची की घोषणा की। इस सूची में दो महिलाएं हैं और वरिष्ठ पार्टी नेता, मौजूदा विधायक और पूर्व राज्य मंत्री एम.के. मुनीर का नाम शामिल नहीं है। थंगल ने कहा कि चेलाक्कारा और पुनालुर या चदयामंगलम - इन दो और सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा अगले कुछ दिनों में की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी यह तय होना बाकी है कि आईयूएमएल पुनालुर या चदयामंगलम से चुनाव लड़ेगी या नहीं। 25 उम्मीदवारों की सूची में मलप्पुरम से मौजूदा विधायक पी.के. कुन्हालीकुट्टी, मंजेश्वर से ए.के.एम. अशरफ, मन्नारक्कड़ से एन. शमसुद्दीन, पेरिनथलमन्ना से नजीब कंथापुरम और मनकाडा से मंजलमकुझी अली शामिल हैं। नए उम्मीदवारों में तनूर से पी.के. नवाज, कुथुपरम्बा से जयंती राजन, वेंगाड़ा से के.एम. शाजी और पेरामब्रा से फातिमा थाहिलिया शामिल हैं।तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके की सहयोगी एमडीएमके ने मंगलवार को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र में राज्य स्वायत्तता, मछुआरों का कल्याण, राज्यपाल पद का उन्मूलन, स्टरलाइट तांबा संयंत्र का स्थायी बंद होना और बाल विवाह का पूर्ण उन्मूलन सहित कई क्षेत्रीय और सामाजिक मुद्दे शामिल किए गए हैं। घोषणापत्र जारी करते हुए एमडीएमके के संस्थापक वाइको ने कहा कि एक समर्पित समिति ने तीन महीने तक पूरे राज्य का दौरा किया, लोगों से प्राप्त सुझावों और प्रतिक्रियाओं को शामिल किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वादे जमीनी हकीकत को दर्शाते हैं। डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के हिस्से के रूप में, एमडीएमके को चुनाव लड़ने के लिए चार सीटें आवंटित की गई हैं। तीन सीटों पर डीएमके के 'उगते सूरज' चिन्ह पर चुनाव लड़ा जाएगा, जबकि चौथी सीट पर एमडीएमके का अपना चिन्ह होगा।कांग्रेस ने आगामी केरलम विधानसभा चुनाव के लिए 55 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। राज्य पार्टी अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर सीट से, वीडी सतीसन को परवूर से, चांडी ओम्मन को पुथुपल्ली से, रमेश चेन्निथला को हरिपद से, राम्या हरिदास को चिरयिनकीझु से और के मुरलीधरन को वट्टियूरकावु सीट से मैदान में उतारा गया है।

बीरभूम में विस्फोटक बरामद,चुनाव से पहले बंगाल को दहलाने की थी मंशा

कोलकाता। बंगाल में विधानसभा चुनाव की तरीखों की घोषणा होने के महज तीन

दिन बाद बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है. यह बरामदगी बीरभूम इलाके से हुई है. ग्रामीणों ने विस्फोटक से लदे एक ट्रैक्टर को तस्करी के दौरान जब्त कर पुलिस को सौंप दिया है. ग्रामीणों से सूचना मिलने पर पुलिस ने विस्फोटक से लदे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया. यह घटना बीरभूम के नलहाटी पुलिस स्टेशन के कदासिर गांव में हुई है. लोगों का कहना है कि पुलिस को यह पता लगाना चाहिए कि चुनाव से पहले विस्फोटक सामग्री कहां और क्यों ले जाई जा रही थी.पुलिस ने बताया कि जब्त किए गए विस्फोटकों में 10,000 जिलेटिन स्टिक और 360 डेटोनेटर शामिल हैं. पुलिस का दावा है कि चुनाव से पहले बंगाल को दहलाने की साजिश नाकाम कर दी गयी है. हालांकि, पुलिस इस घटना में किसी को गिरफ्तार करने में असमर्थ रही. घटना के बाद केंद्रीय बलों ने बंगाल के कोने-कोने में गश्त तेज कर दी है. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट किया है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं.स्थानीय लोगों ने बताया कि रात कदासिर गांव की सड़क से विस्फोटकों से लदा एक ट्रैक्टर गुजर रहा था. तभी लोगों ने ट्रैक्टर को रोका. ट्रैक्टर चालक ने इसे तेज रफ्तार समझकर भागने की कोशिश की. बाद में लोगों ने देखा कि ट्रैक्टर पर विस्फोटक लदा हुआ है. इसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. लोगों ने पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही नलहाटी पुलिस स्टेशन की पुलिस मौके पर पहुंची. उन्होंने विस्फोटक और ट्रैक्टर को जब्त कर लिया. विस्फोटक कौन, किस उद्देश्य से और कहां ले जा रहा था, इसकी जानकारी नहीं है. नलहाटी पुलिस स्टेशन मामले की जांच कर रही है।

क्या एनडीए में जाने वाले हैं थलापति विजय!,तलाक केस-सीबीआई जांच का प्रेशर, स्टालिन के खिलाफ क्या बीजेपी का साथ देंगे

नयी दिल्ली। 23 फरवरी 2026, तमिलनाडु के वेल्लोर से सटे नेशनल हाईवे-48 पर हजारों लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई। इतना ट्रैफिक कि 4 घंटे तक गाड़ियां अपनी जगह से हिल नहीं पाईं। भगदड़ या किसी तरह की अनहोनी के डर से

प्रशासन को 900 पुलिसवालों को मौके पर लगाना पड़ा। ये दीवानगी साउथ फिल्मों के सुपरस्टार थलापति विजय की पब्लिक रैली के लिए थी। वेल्लोर रैली में थलापति विजय ने पहली बार ऐलान किया कि 2026 का विधानसभा चुनाव 'विजय बनाम स्टालिन' की लड़ाई है। तमिलनाडु सीएम और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन पर आरोप लगाते हुए विजय ने कहा- राज्य में अभी एक स्टैंड-अप कॉमेडी वाली सरकार राज कर रही है। मुख्यमंत्री के असली दोस्त रिश्वत-भ्रष्टाचार हैं। अगर दम है तो वे चुनाव से पहले अपनी संपत्ति का खुलासा करें।तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोटिंग होगी। उससे पहले विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम यानी टीवीके को सत्ताधारी डीएमके-कांग्रेस के गठबंधन के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। दूसरी तरफ बीजेपी, स्टालिन और विजय की तकरार को चुनाव में भुनाना चाहती है। सोर्स बताते हैं कि टीवीके को एनडीए में लाने लिए बीजेपी लीडरशिप पूरा जोर लगा रही है। यहां तक कि एक दूसरे राज्य के उपमुख्यमंत्री के जरिए विजय को मनाने की कोशिशें चल रही हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले क्या विजय बीजेपी से हाथ मिलाने वाले हैं? एनडीए अलायंस में शामिल होने से टीवीके को कितना फायदा होगा? सत्तारूढ़ डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन विजय के खिलाफ क्या रणनीति बना रहा है? ये सवाल हमने तमिलनाडु की पॉलिटिकल पार्टियों और एक्सपर्ट्स से पूछे।दो साल पहले तक तमिलनाडु में मेन मुकाबला डीएमके-कांग्रेस के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस और एआईएडीएमके-बीजेपी के एनडीए गठबंधन के बीच माना जा रहा था। 2 फरवरी 2024 को साउथ फिल्मों के सुपरस्टार विजय ने अपनी पॉलिटिकल पार्टी टीवीके की ऑफिशियल घोषणा कर दी। अब 2026 विधानसभा चुनाव में टीवीके थर्ड फ्रंट के तौर पर उभरी है। विजय का इम्पैक्ट कम करने के लिए डीएमके ने कांग्रेस और वामपंथी दलों सहित 23 पार्टियों को अपने अलायंस में शामिल किया है। मुख्यमंत्री स्टालिन की अगुआई वाले एसपीए का रुख साफ है कि वो विजय के साथ किसी भी सूरत में हाथ नहीं मिलाएंगे। दूसरी तरफ, एनडीए ब्लॉक में एआईएडीएमके, बीजेपी, पट्टाली मक्कल काची और एएमएमके जैसी दूसरी पार्टियां शामिल हैं।

2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने 234 सीटों में से 133 सीटें जीती थीं और सहयोगियों की मदद के बिना ही सरकार बनाई थी। वहीं, एनडीए गठबंधन महज 75 सीटों पर ही सिमट गया था। इसमें एआईएडीएमके 66 और बीजेपी महज 4 सीट ही जीत पाई थी। बीजेपी चुनाव से पहले इस नुकसान की भरपाई के लिए विजय से लगातार संपर्क कर रही है।तमिलनाडु के चेन्नई, कांचीपुरम, कोयंबटूर, मदुरै और तंजावुर में विजय की अच्छी फैन फॉलोइंग है। करूर में 18 से 35 साल के वोटर्स सबसे ज्यादा हैं। विजय यहां आकर फिल्म रिलीज और सोशल मीडिया कैंपेन जैसे इवेंट में शामिल हो चुके हैं। 27 सितंबर 2025 को करूर में ही विजय की रैली में भगदड़ के दौरान 41 लोगों की मौत हुई थी। इसकी जांच सीबीआई कर रही है। बीजेपी को लगता है कि अगर उसके 2-3फीसदी वोट भी टीवीके के साथ जुड़ते हैं, तो ये एनडीए के लिए निर्णायक हो सकता है।तमिलनाडु और केरल विधानसभा चुनाव पर करीब से नजर रख रहे सीनियर जर्नलिस्ट केए शाजी कहते हैं, 'इलेक्शन से पहले वोटर्स का मूड जानने के लिए कई सर्वे किए गए, जिनमें एनडीए गठबंधन के लिए बहुत पॉजिटिव तस्वीर पेश नहीं की गई। यही वजह है कि बीजेपी विजय को साथ लाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही है।''कुछ दिनों पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पास भी इलेक्शन से जुड़े कई प्री-सर्वे मिलाकर एक इंटरनल रिपोर्ट भेजी गई। इसमें चुनाव से पहले एआईएडीएमके और बीजेपी की हालत पतली बताई गई।रिपोर्ट में बताया गया कि तमिलनाडु की कई सीटों पर एनडीए गठबंधन तीसरे नंबर पर भी रह सकता है। इन आकलनों के बाद से ही पार्टी की लीडरशिप नाराज है।' 'विजय को मनाने के लिए साउथ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े बड़े चेहरों के साथ-साथ उनके दोस्तों और दूसरे राज्य के एक उपमुख्यमंत्री से दबाव बनाया जा रहा है।'तमिलनाडु बीजेपी से जुड़े सोर्स के मुताबिक, बीजेपी ने टीवीके के सामने पेशकश की है कि अगर एनडीए गठबंधन चुनाव जीतता है कि वो विजय को तमिलनाडु के डिप्टी सीएम का पद और पार्टी के प्रस्तावित सीट-बंटवारे में लगभग 55 सीटें देने को तैयार है। फिलहाल इस बात को लेकर दोनों पार्टियों की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है।तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले थलापति विजय से जुड़ा तलाक का विवाद भी राजनीतिक समीकरणों का मुद्दा बना हुआ है। विजय से अलग रह रही उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने दिसंबर 2025 में चेंगलपट्टू कोर्ट में तलाक की याचिका दायर कर गुजारे भत्ते की मांग की थी। संगीता ने अंतरिम राहत के लिए एक और याचिका दायर की, जिसमें उन्होंने कोर्ट से पनयूर वाले घर में रहने की इजाजत मांगी। ये मामला अब भी चल रहा है। सीनियर जर्नलिस्ट डॉ. बसवराज इटनाल कहते हैं, 'विजय की निजी जिंदगी के उतार-चढ़ाव और उनके तलाक को डीएमके चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। मेरा मानना है कि इससे डीएमके को राजनीतिक तौर पर कोई फायदा होने की संभावना नहीं है।' 'हालांकि, कुछ हद तक पत्नी को घर से बेदखल करने का मामला विजय की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है क्योंकि इससे लोगों (खासकर महिला वोटर्स) के मन में संगीता के प्रति सहानुभूति पैदा होगी। डीएमके विजय को कट्टर विरोधी के तौर पर देखती है। करूर भगदड़ के मुद्दे पर स्टालिन थलापति को घेरते रहे हैं।'टीवीके-एनडीए गठबंधन के चांसेज की 3 बड़ी वजहें-1. कानूनी और सेंट्रल एजेंसियों का दबाव, विजय पहले से ही इनकम टैक्स केस, तलाक और करूर भगदड़ मामले में घिरे हुए हैं। तमिलनाडु की राजनीति में ये एक पुराना पैटर्न रहा है कि जब भी कोई नया नेता उभरता है, तो केंद्र की एजेंसियां एक्टिव हो जाती हैं। पॉलिटिकल एनालिस्ट इसे 'दबाव की राजनीति' मानते हैं, जिससे नई पार्टियों को गठबंधन के लिए मनाया जाता है। लिहाजा, खुद पर प्रेशर कम करने के लिए विजय गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। 2. टीवीके और एनडीए का एक विरोधी, विजय का सीधा मुकाबला सत्ताधारी डीएमके से है। तमिलनाडु में स्टालिन को चुनौती

देने के लिए टीवीके को एक ऐसे साथी की जरूरत है, जो डीएमके को सीधी चुनौती दे सकता हो। मौजूदा वक्त में एनडीए गठबंधन ही डीएमके -कांग्रेस अलायंस की सबसे बड़ी विरोधी है। 3. पहला चुनाव,टीवीके को स्टेबिलिटी की उम्मीद, 2026 विधानसभा चुनाव टीवीके के लिए पहली परीक्षा है। अपने दम पर 234 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने से पार्टी पर फाइनेंशियल प्रेशर बढ़ सकता है। ऐसे में बीजेपी और एआईएडीएमके जैसी पार्टियों का साथ विजय को वो स्टेबिलिटी दे सकता है, जो एक नई पार्टी के पास नहीं होती।

कौन है एनआईए की गिरफ्त में आया अमेरिकी मैथ्यू वैनडाइक? कई देशो में लड़ा में लड़ा, अब भारत के लिए खतरा!

नयी दिल्ली। भारत के तीन एयरपोर्ट से कुल सात विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया

है. इन सभी पर आरोप है कि ये भारत के संवेदनशील इलाकों में बिना परमिशन के गए. इनमें से एक अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक है, जिसका दुनिया भर के संघर्षों में लड़ने का इतिहास रहा है. उसने गद्दाफी के खिलाफ लड़ाई लड़ी, आईएसआईएस के खिलाफ बंदूक उठाई और वेनेजुएला और यूक्रेन में भी उसके कारनामों का गुलदस्ता सजा हुआ है. ऐसे में भारत की खुफिया एजेंसियों ने सतर्कता दिखाई और उसे धर दबोचा. भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जबरदस्त खुफिया ऑपरेशन करते हुए 13 मार्च को सात विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया. यह पूरी कार्रवाई एक बड़े आतंकवाद-रोधी अभियान के तहत की गई. सभी सात आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष एनआईए अदालत ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत 11 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा गया है. इनमें छह यूक्रेन के नागरिक और एक चर्चित अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक शामिल है. ये गिरफ्तारियां तीन हवाई अड्डों से की गई. कोलकाता से वैनडाइक को पकड़ा गया. वहीं, लखनऊ और दिल्ली से तीन-तीन यूक्रेनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया. सबसे ज्यादा चर्चा मैथ्यू आरोन वैनडाइक को लेकर है. खुद को डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकर, पूर्व पत्रकार और 'फ्रीडम फाइटर बताने वाला 46 वर्षीय वैनडाइक आखिर है कौन? एनआईए की एफआईआर और शुरुआती जांच से साफ होता है कि यह मामला सीधे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमाई इलाकों से जुड़ा हुआ है. जांच में सामने आया है कि वैनडाइक और उसके यूक्रेनी सहयोगी टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे. यूक्रेनी नागरिकों की पहचान पेट्रो हुरबा, तारास स्लिवियाक, इवान सुकमानोव्स्की, मारियन स्टेफनकिव, मैक्सिम होंचारुक और विक्टर कामिंस्की के रूप में हुई है. हालांकि इन व्यक्तियों के बारे में ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई, लेकिन मैथ्यू वैनडाइक का नाम सामने आते ही हलचल मच गई, क्योंकि वह एक जाना-पहचाना चेहरा है और कई संघर्षों से जुड़ा रहा है. उसकी पहचान उसकी तस्वीरों के जरिए भी की गई.एनआईए सूत्रों के अनुसार, 14 यूक्रेनी नागरिक अलग-अलग तारीखों में टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे. वे गुवाहाटी पहुंचे और फिर जरूरी दस्तावेजों के बिना मिजोरम गए. यहां जाने के लिए 'रिस्ट्रिक्टेड एरिया परमिट' और 'इनर लाइन परमिट' लेना पड़ता है. ये न सिर्फ यहां बिना परमिशन गए, बल्कि आरोपों के अनुसार, उन्होंने म्यांमार में सक्रिय जातीय सशस्त्र संगठनों से संपर्क स्थापित किया. जांच एजेंसियों का कहना है कि इन संगठनों के संबंध भारत के पूर्वोत्तर में सक्रिय उग्रवादी गुटों से भी जुड़े हैं. उनका उद्देश्य म्यांमार में जातीय सशस्त्र समूहों को पहले से तय ड्रोन वॉरफेयर ट्रेनिंग देना था. हालांकी, एनआईए ने केवल 7 नागरिकों की ही गिरफ्तारी बताई है. इन सातों विदेशियों ने जातीय सशस्त्र समूहों से संपर्क किया और प्रशिक्षण गतिविधियों में शामिल हुए. ईंटें में कहा गया है कि येंउें पूर्वोत्तर के उग्रवादी संगठनों से जुड़े हुए हैं. जांच में यह भी सामने आया है कि यह नेटवर्क यूरोप से बड़ी मात्रा में ड्रोन भारत के रास्ते म्यांमार पहुंचा रहा था. एनआईए ने आरोप लगाया है कि यह समूह हथियारों की आपूर्ति, उग्रवादियों को प्रशिक्षण देने और यूरोप से आयातित ड्रोन का उपयोग कर म्यांमार में ट्रेनिंग कैंप्स को समर्थन देने की योजना बना रहा था, जिसमें ड्रोन वॉरफेयर, ऑपरेशन, असेंबली और जैमिंग तकनीक पर फोकस था. वैनडाइक और उसके साथियों पर आरोप है कि वे म्यांमार के विद्रोही गुटों को हथियारों के इस्तेमाल और ड्रोन संचालन की ट्रेनिंग दे रहे थे.एनआईए के मुताबिक, म्यांमार में सक्रिय कई सशस्त्र समूहों के भारत में प्रतिबंधित संगठनों से पहले से संबंध हैं. इन समूहों पर भारतीय उग्रवादी संगठनों को हथियार, उपकरण और प्रशिक्षण देने का संदेह है, जो सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है. अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के भारत के अंदर कोई स्थानीय कनेक्शन हैं या नहीं. ड्रोन को भारतीय क्षेत्र के जरिए कैसे भेजा गया. गिरफ्तारी के दौरान जब्त किए गए मोबाइल फोन की जांच की जा रही है और आगे की जांच के लिए आरोपियों को विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाएगा. मार्च 2025 में मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका और ब्रिटेन के भाड़े के सैनिक और पूर्व विशेष बलों के सदस्य मिजोरम के रास्ते म्यांमार में प्रवेश कर रहे हैं, ताकि वहां की सैन्य सरकार के खिलाफ लड़ रहे स्थानीय समूहों को प्रशिक्षण दे सकें. वहीं, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी अपनी सरकार गिरने से पहले अमेरिका पर आरोप लगाया था कि वह भारत से सटे इलाकों में एक ईसाई राज्य बनाना चाहता है. ऐसे में भारत सरकार की जांच एजेंसियां इस घटना को हल्के में नहीं लेना चाहेंगी।

सारा अली खान की केदारनाथ यात्रा पर लगा ब्रेक, एफिडेविट के बिना नहीं मिलेगा प्रवेश

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान अक्सर अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी धार्मिक आस्था को लेकर भी चर्चा में रहती हैं. कभी काशी, कभी महाकाल तो कभी केदारनाथ, सारा की मंदिर यात्राएं हमेशा सुर्खियां बटोरती हैं. खासतौर पर केदारनाथ मंदिर से उनका गहरा लगाव किसी से छिपा नहीं है. हर साल यहां पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन करना जैसे उनकी एक परंपरा बन चुकी थी.लेकिन इस बार मामला थोड़ा अलग है. केदारनाथ धाम में एंट्री को लेकर बने नए नियमों ने सारा अली खान को सीधे तौर पर चर्चा के केंद्र में ला दिया है. अब उनके लिए यहां दर्शन करना पहले जितना आसान नहीं रहेगा, क्योंकि मंदिर प्रशासन ने आस्था से जुड़ी एक नई शर्त लागू कर दी है, जिसे पूरा करना जरूरी होगा.सारा अली खान का केदारनाथ मंदिर से खास लगाव रहा है. वह लगभग हर साल यहां भगवान शिव के दर्शन करने जाती रही हैं. सोशल मीडिया पर भी उनकी केदारनाथ यात्रा की तस्वीरें अक्सर वायरल होती रही हैं. लेकिन अब उनके लिए यह यात्रा पहले जैसी आसान नहीं रहने वाली है.Badrinath-मंदिर कमेटी ने हाल ही में बड़ा फैसला लिया है. इसके तहत मंदिर में केवल उन्हीं लोगों को प्रवेश दिया जाएगा, जो सनातन धर्म में आस्था रखते हैं. इतना ही नहीं, इस आस्था को साबित करने के लिए एफिडेविट देना भी जरूरी होगा.मंदिर समिति के अध्यक्ष ने सारा अली खान का जिक्र करते हुए साफ कहा कि अगर वह मंदिर में दर्शन करना चाहती हैं, तो उन्हें लिखित रूप में यह बताना होगा कि उनकी सनातन धर्म में आस्था है. यानी अब सारा को भी अन्य श्रद्धालुओं की तरह नियमों का पालन करना होगा.सारा अली खान की डेब्यू फिल्म 'केदारनाथ' की शूटिंग भी इसी धाम में हुई थी. इस फिल्म के बाद से उनका इस जगह से भावनात्मक रिश्ता और भी मजबूत हो गया. तभी से वह हर साल यहां आकर दर्शन करने की कोशिश करती रही हैं.इस फैसले के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि सारा अली खान इस पर क्या प्रतिक्रिया देती हैं. क्या वह एफिडेविट देकर अपनी आस्था जाहिर करेंगी या फिर इस पर चुप्पी साधेंगी, यह आने वाले समय में ही साफ होगा।

एलपीजी सिलेंडर की कमी पर अक्षय कुमार ने दिया रिएक्शन,ट्विंकल ने 2 इंडक्शन ऑर्डर किए, कहा- अभी तक तो कोई प्रॉब्लम नहीं है

मुंबई। ईरान-इजरायल जंग के बीच भारत में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत हो गई है। देश में कमर्शियल सिलेंडर पर रोक लगा दी गई, जिससे आम जनता के बीच भी सिलेंडर के लिए मारामारी हो रही है। इसी बीच एक्टर अक्षय कुमार ने इस किल्लत पर रिएक्शन दिया है। उनका कहना है कि उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना ने खबर मिलते ही इंडक्शन खरीद लिया है। अक्षय कुमार मंगलवार को बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी की प्रेस कॉन्फ्रेंस का हिस्सा बने थे। इस दौरान उनसे गैस सिलेंडर की किल्लत होने पर सवाल किया गया, तो एक्टर ने कहा, 'तो मेरी पत्नी ने परसों, देखिए, अभी तक तो कोई समस्या नहीं है। लेकिन जो नया ओवन आया है, जो इंडक्शन जैसा है, तो हमने दो खरीद लिए हैं। तो आप भी खरीद लीजिए।' जब एक्टर से पूछा गया कि क्या वो इंडक्शन उनके घर पहुंच गया है, तो एक्टर ने कहा, 'फिलहाल तो मुझे यह नहीं पता, लेकिन मुझे इतना मालूम है कि मेरी पत्नी ने उसे ऑर्डर कर दिया है। वह घर पर पहुंचा है या नहीं, यह मुझे अभी तक पता नहीं है।' बता दें कि अक्षय कुमार के पास इन दिनों कई बड़ी फिल्में हैं। वो जल्द ही फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगे, जो एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। 2 अप्रैल को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल और राजपाल यादव अहम किरदारों में हैं। इसके अलावा अक्षय वेलकम टू द जंगल, हेरा फेरी 3 और हैवान में भी नजर आने वाले हैं।

धुरंधर 2 अर्ली रिव्यू

फेमस डायरेक्टर ने मूवी को बताया शोले से सौ गुना बेहतर

मुंबई। बॉलीवुड में इन दिनों एक फिल्म को लेकर जबरदस्त चर्चा है, और वो है धुरंधर 2. रिलीज से पहले ही इस फिल्म ने ऐसा माहौल बना दिया है कि हर कोई इसके बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस को लेकर कई तरह के कयास लगा रहे हैं. आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का आज यानी 18 मार्च को पेड प्रीव्यू रखा गया है, जबकि इसे कल 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा. फिल्म की एडवांस बुकिंग, पेड प्रीव्यू और ओवरसीज मार्केट से मिल रहे रिस्पॉन्स को देखकर साफ लग रहा है कि यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका कर सकती है. अब इस फिल्म के रिलीज से पहले ही डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने बड़ा दावा कर दिया है. उन्होंने कहा है कि यह फिल्म शोले से 100 गुना ज्यादा एफेक्टिव साबित होगी.दरअसल, धुरंधर 2 की चर्चा जोरो-शोरो से है. कल सिनेमाघरों में पार्ट टू रिलीज किया जाएगा, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था. इसी बीच निर्देशक राम गोपाल वर्मा का फिल्म को लेकर रिएक्शन भी सामने आया है, जो काफी चर्चा में है. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह फिल्म कलेक्शन, दर्शकों के एक्साइटमेंट और सिनेमा के प्रभाव के मामले में शोले से 100 गुना ज्यादा असरदार साबित होगी. इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि मुगल-ए-आजम जैसी क्लासिक फिल्में भी इसके आगे छोटी लगेंगी. राम गोपाल वर्मा ने इसे सिनेमा के नए युग की शुरुआत बताते हुए यहां तक कहा कि स्टीवन स्पेलबर्ग और क्रिस्टोफर नोलन जैसे दिग्गजों को भी यह फिल्म पहले दिन देखनी चाहिए.रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म की कहानी पहले पार्ट से आगे बढ़ती है. पहले भाग में पाकिस्तान के ल्यारी इलाके में गैंगवार और भारत में आतंकी गतिविधियों को दिखाया गया था. इस बार फिल्म में रणवीर सिंह के किरदार की बैकस्टोरी पर ज्यादा फोकस किया गया है, जहां उनका किरदार जसकीरत सिंह रंगी से हमजा अल मजारी बनने की कहानी सामने आएगी.

नोरा फतेही-संजय दत्त के अश्लील गाने के खिलाफ एक्शन लेते हुए ह्यूमन राइट्स कमिशन ने सेंसर बोर्ड को नोटिस जारी किया

मुंबई। फिल्म केडीः द डेविल के गाने सरके चुनर पर विवाद जारी है। नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माए गए अश्लील लिरिक्स वाले इस गाने को आपत्ति के बाद यूट्यूब से हटा दिया गया है। शिकायत मिलने के बाद अब नेशनल ह्यूमन राइट्स कमिशन ने सेंसर बोर्ड, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और गूगल इंडिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। वहीं दूसरी तरफ लिरिसिस्ट ने दावा किया है कि ये विवादित गाना उन्होंने नहीं बल्कि फिल्म के डायरेक्टर ने लिखा है। नेशनल ह्यूमन राइट्स कमिशन ने मंगलवार को इन संस्थाओं को नोटिस जारी करते हुए इस गाने से जुड़े विवाद की जांच करने और 2 हफ्ते में एक्शन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अध्यक्षता नेशनल ह्यूमन राइट कमिशन की बेंच मेंबर प्रियंक कानूनगो कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टता से इस गाने पर लगाए गए आरोप मानवाधिकारों के संभावित उल्लंघन है। इस मामले को ह्यूमन राइट एक्ट 1993 के तहत संज्ञान में लिया गया है।नेशनल ह्यूमन राइट कमिशन को मिली शिकायत में शिकायतकर्ता ने कहा है कि अपकमिंग फिल्म केडीः द डेविल के हाल ही में जारी हुए गाने में अश्लील और यौन संकेत देने वाले डबल मीनिंग बोल हैं, जो सार्वजनिक रूप से प्रसारण और खासकर बच्चों के लिए ठीक नहीं है। ये कंटेंट सोशल मीडिया, टीवी और कई प्लेटफॉर्म्स में उपलब्ध है, जिससे नाबालिगों के मानसिक स्वास्थ और नैतिक वातावरण पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। शिकायतकर्ता ने इस मामले में ह्यूमन राइट कमिशन को हस्तक्षेप करने, मामले का संज्ञान लेने और इस तरह के कंटेंट पर रोक लगाने का अनुरोध किया था।ह्यूमन राइट्स कमिशन के अलावा कर्नाटक और हरियाणा के स्टेट कमिशन फॉर वीमन ने भी सेंसर बोर्ड को शिकायत भेजकर चिंता व्यक्त की है। इसके अलावा फिल्म के मेकर्स के खिलाफ भी शिकायत दर्ज की गई है, जिसके बाद गाने को यूट्यूब से हटा दिया गया है।विवाद के बीच फिल्म के लिरिसिस्ट रकीब आलम ने एक स्टेटमेंट जारी कर विवाद पर सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि ये गाना उन्होंने नहीं बल्कि फिल्म के डायरेक्टर प्रेम ने लिखा है। उन्होंने इस गाने को सिर्फ हिंदी में ट्रांसलेट किया है। लिरिसिस्ट रकीब आलम ने स्टेटमेंट में कहा, 'कुछ ही घंटों में बहुत कुछ हो गया है और मैंने खुद को ऐसी स्थिति में पाया, जिसके लिए मैं तैयार नहीं था। हालांकि मेरे अनुरोध के बाद निर्देशक प्रेम ने गाना हटा लिया है, फिर भी मैं आधिकारिक रूप से यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि 'सरके चुनर तेरी सरके' के मूल बोल मैंने नहीं लिखे हैं। आगे उन्होंने कहा, यह गाना फिल्म के निर्देशक प्रेम ने कन्नड़ में लिखा था और मेरी भूमिका केवल उसका हिंदी में अनुवाद करने तक सीमित थी। एक गीतकार के रूप में मुझे अपने लिखे शब्दों पर गर्व है, और मूल लेखन और अनुवाद के बीच अंतर करना महत्वपूर्ण है। मुझे उम्मीद है कि इससे मेरे योगदान को लेकर कोई भी गलतफहमी दूर हो जाएगी।' उन्होंने आगे कहा, 'यह समझना जरूरी है कि जब आप किसी फिल्म के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करते हैं, तो आप उसकी शर्तों को पूरा करने के लिए बाध्य होते हैं। कन्नड़ के मूल बोल पढ़ने के बाद मैंने इस गाने का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था, लेकिन मुझसे इसे हिंदी में अनुवाद करने के लिए कहा गया और कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार मुझे अपनी भूमिका निभानी पड़ी। प्रेम मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन मैंने उन्हें चेतावनी दी थी और आगे न बढ़ने का अनुरोध भी किया था। हालांकि, उन्हें पता था कि वे क्या कर रहे हैं और इस गाने से क्या चाहते हैं।' बता दें कि रकीब आलम इससे पहले पुष्पा और पुष्पा 2 फिल्मों के लिए भी गाने लिख चुके हैं।पैन इंडिया फिल्म केडीः द डेविल, 30 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली है। 14 मार्च को इस फिल्म का गाना सरके चुनर तेरी कई भाषाओं में रिलीज हुआ। ये गाने नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया था। यूट्यूब पर गाना जारी होते ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा, जिसका कारण था, गाने के अश्लील और डबल मीनिंग बोल। इसके अलावा गाने में दिखाए गए डांस स्टेप्स और पिक्चराइजेशन भी काफी आपत्तिजनक थे। सोशल मीडिया पर गाने की जमकर आलोचना हुई, जिसके बाद इसके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज हो रही हैं।

शकीरा के संघर्ष से सफलता के रास्ते में थे बहुत से कांटे,शुरुआती एलबम फ्लॉप रहे, हैमरेज भी हुआ

बनाई जगह टॉप पर

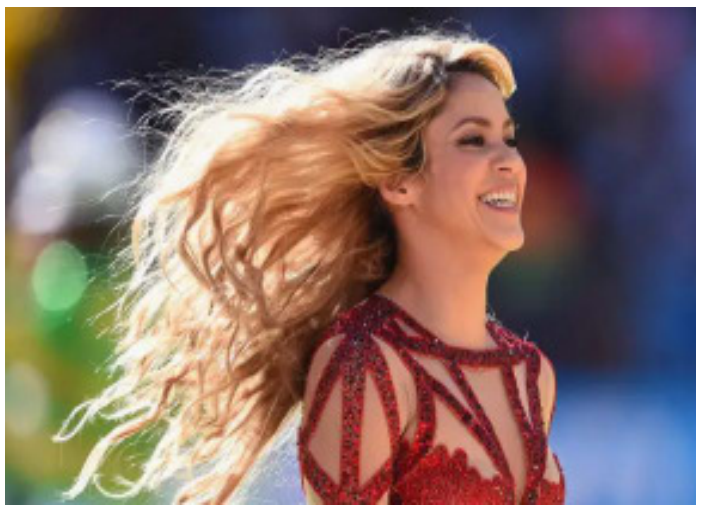

मुंबई। पॉप स्टार शकीरा अप्रैल में अपनी भारत यात्रा को लेकर फिलहाल चर्चा में हैं। 'वक्का-वक्का' की धुनों पर पूरी दुनिया को नचाने वाली शकीरा का करियर बेहद उतार-चढ़ावों से भरा रहा है। जानते हैं, गाना लिखना, उसे गाना और हर बीट पर सटीक डांस मूव देना, कोलंबिया की विश्वविख्यात पॉप स्टार शकीरा इन सभी हुनरों का शानदार कॉम्बिनेशन हैं। लेकिन स्कूल में उनकी आवाज टीचर को नहीं भायी थी। स्कूल में मजाक उड़ाया जाता कि उनकी आवाज बकरी जैसी है। बारांक्विला शहर में 2 फरवरी 1977 को जन्मी शकीरा आज स्पेनिश और अंग्रेजी के साथ आधा दर्जन भाषाओं की गायकी में पारंगत हैं। शकीरा जब 7-8 साल की थीं, तो उनके पिता विलियम मेबारक को ज्वैलरी व्यवसाय में भारी घाटा हुआ। शकीरा ने घर का सामान, फर्नीचर, कार सब बिकते हुए देखे। उन्हें इससे मानसिक आघात पहुंचा। 13 वर्ष की उम्र में उन्हें पहला कॉन्ट्रैक्ट मिला। 1991 में पहला एलबम 'मैगिया' और 1993 में दूसरा 'पेलिग्रो' आया, लेकिन दोनों ही बुरी तरह फ्लॉप रहे। विफलता के चलते उन्हें करियर से एक साल ब्रेक लेना पड़ा। 2017 में एल-डोराडो वर्ल्ड ट्यूर से ठीक पहले उनकी वोकल कॉर्ड में हैमरेज हो गया। उन्हें लगा कि अब वे कभी नहीं गा पाएंगी। हालांकि कुछ महीनों के ब्रेक और उपचार से बिना सर्जरी के यह ठीक हो गया। शुरुआती विफलताओं के बाद शकीरा ने खुद को नए सिरे से तैयार किया। खुद अपने गाने लिखने लगीं और फिर 1995 में आया एलबम 'पिएस देस्काल्जोस' टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। 2001 में उनका पहला इंग्लिश एलबम 'लॉन्ड्री सर्विस' रिलीज हुआ। इसकी दुनियाभर में 1.3 करोड़ कॉपियां बिकीं और शकीरा वैश्विक स्टार बन गईं। 2010 में उनका 'वक्का-वक्का' गीत फुटबॉल वर्ल्ड कप का एंथम बना, जिसने पूरी दुनिया को शकीरा के सुरों का दीवाना बना दिया। शकीरा को 3 ग्रैमी और 12 लैटिन ग्रैमी समेत संगीत को ढेरों अवॉर्ड मिल चुके हैं। वे संयुक्त राष्ट्र की गुडविल एम्बेसडर रह चुकी हैं। 1997 में शकीरा ने गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए पिएस देस्काल्जोस फाउंडेशन शुरू किया था। उनकी नेटवर्थ करीब 300 मिलियन डॉलर बताई जाती है।

पार्टनर चैट्स का स्क्रीनशॉट रखता है,झगड़े में पुरानी बातें ले आता है, फिर सबूत दिखाता है

नयी दिल्ली। आजकल के तनाव भरे जीवन में लोगो के आपसी रिश्ते बहुत उलझ जाते हैं जिसको मनोवैज्ञानिक तरीके से समझना ज़रूरी होता हैं इस विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन कर रही हूं। एक साल से रिलेशनशिप में हूं। मेरा बॉयफ्रेंड मेरी हर बात का रिकॉर्ड रखता है, चैट के स्क्रीनशॉट रखता है। मैंने कब क्या कहा, कैसे कहा, सबकुछ। फिर जब भी हमारे बीच झगड़ा होता है, वो पुराने चैट्स निकालकर दिखाने लगता है। जब पहली बार उसने चैट का स्क्रीनशॉट दिखाया तो मुझे बहुत शॉक लगा था। क्या ये बिहेवियर नॉर्मल है, क्या ये ट्रस्ट की कमी है या मैं जरूरत से ज्यादा सेंसिटिव हूं? मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा है कि मैं क्या करूं? जवाब- सबसे पहले तो शुक्रिया कि आपने अपनी भावनाओं को शब्दों में इतने अच्छे से व्यक्त किया। कॉलेज लाइफ में रिश्ते की इतनी गहरी समझ होना और ये सवाल पूछना आसान नहीं होता। ज्यादातर लड़कियां ऐसे मामलों में खुद को ही दोष देती रहती हैं, लेकिन आपने सवाल किया यानी आप सजग हैं। ये अपने आप में बहुत बड़ी बात है।आपका सवाल पार्टनर की सिर्फ एक आदत को लेकर नहीं है। यह सवाल इमोशनल सेफ्टी और उस भरोसे को लेकर है, जो किसी भी रिलेशनशिप की बुनियाद है। इसलिए सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि आप जो महसूस कर रही हैं, वह न तो छोटी बात है और न ही आप ओवर-सेंसिटिव हैं। आपकी फीलिंग्स पूरी तरह वैलिड हैं। रिश्ते में अगर हर बात पर सबूत मांगे जाएं, तो अविश्वास पैदा हो सकता है। चलिए, इस समस्या को स्टेप-बाई-स्टेप समझते हैं और देखते हैं कि आप क्या कर सकती हैं।अगर कोई पार्टनर बातचीत के स्क्रीनशॉट संभालकर रखता है और झगड़े के समय उन्हें दिखाता है, तो यह हेल्दी पैटर्न नहीं है। रिकॉर्ड्स कोर्टरूम में जरूरी होते हैं क्योंकि वहां जज को सच और झूठ तय करने के लिए सबूत चाहिए। लेकिन ये समझना चाहिए कि रिश्ता कोर्टरूम नहीं है। इसलिए इसमें सबूत नहीं, समझ, भरोसा और भावनाओं की जरूरत होती है। इस तरह का बिहेवियर टॉक्सिक हो सकता है। रिकॉर्ड रखने का पार्टनर पर क्या असर पड़ता है? ऐसे रिश्ते में इंसान पर अक्सर ये तीन भावनाएं हावी हो जाती हैं। डर- कुछ भी कहने से पहले सौ बार सोचना। असुरक्षा- डर कि कहीं मेरी लिखी बात बाद में मेरे खिलाफ ही न इस्तेमाल हो। खुद पर शक- मन में खुद के लिए ही शक पैदा होना। यह टॉक्सिक रिलेशनशिप का संकेत हो सकता है, अगर आपको लग रहा है कि- आप खुलकर बात नहीं कर पा रही हैं। हर शब्द तौलकर बोलना पड़ रहा है। आपको हर वक्त जजमेंट का डर लगता है। ऐसे मामलों में अक्सर लड़कियां खुद को कमतर महसूस करने लगती हैं। उन्हें ऐसा लगता है, जैसे हर बात एक टेस्ट है, जहां फेल होने पर पुराने पेपर निकालकर दिखाए जाते हैं। ये न सिर्फ गुस्सा बढ़ाता है, बल्कि रिश्ते की खुशी को भी छीन सकता है। अक्सर लोग ऐसी सिचुएशन को सीधे ट्रस्ट इश्यू कह देते हैं, जबकि यह इससे ज्यादा गहरी बात है। पार्टनर के ऐसे बिहेवियर के पीछे उसका कोई ट्रॉमा, पास्ट रिलेशनशिप या परवरिश हो सकती है। ऐसा हो सकता है कि उसके ऊपर पिछले रिश्तों में झूठे आरोप लगे हों। हो सकता है कि उसे बार-बार गलत ठहराया गया हो। हो सकता है कि उसकी परवरिश ऐसी रही हो, जहां हर बात का हिसाब रखा जाता हो। उसे यह सिखाया गया हो कि बिना सबूत के बात पर भरोसा नहीं किया जाता।

'सरके चुनर' गाने पर कंगना रनोट भड़कीं,विवादित सॉन्ग अश्लीलता के आरोपों के बाद यूट्यूब से हटाया गया

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनोट ने नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माए गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। एएनआई से बातचीत में कंगना ने कहा कि बॉलीवुड अश्लीलता की सारी हदें पार कर चुका है और ऐसे कंटेंट पर सख्ती जरूरी है।दरअसल, यह गाना फिल्म ख्ऊः ऊप अन्त का है, जिसमें नोरा फतेही और संजय दत्त नजर आए थे। रिलीज के साथ ही गाने के बोल और विजुअल्स को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इसे वल्गर और अशोभनीय बताते हुए आपत्ति जताई।बढ़ते विरोध के बीच इस गाने को यूट्यूब समेत अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से हटा दिया गया है। विवाद के बाद वकील विनीत जिंदल ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में शिकायत भी दर्ज कराई थी। शिकायत में गाने को अत्यधिक अश्लील और यौन संकेतों से भरा बताया गया। मामले के तूल पकड़ने पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया। इसके बाद निर्माताओं ने गाने को तुरंत हटाने का फैसला लिया। गौरतलब है कि गाना रिलीज होते ही विवादों में आ गया था और लगातार इसकी आलोचना हो रही थी। कुछ सेलेब्स और सिंगर्स ने भी इसके कंटेंट पर सवाल उठाए थे।फिलहाल, गाना हटाए जाने के बाद फिल्म की प्रमोशनल रणनीति पर असर पड़ने की चर्चा है। हालांकि मेकर्स की ओर से इस पूरे विवाद पर अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।'केडीः द डेविल' एक पैन-इंडिया कन्नड़ एक्शन-क्राइम फिल्म है, जिसमें ध्रुवा सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी और रेश्मा नानैया मुख्य भूमिकाओं में हैं। 1970 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'

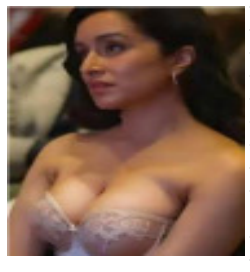

क्या शादी करने वाली हैं श्रद्धा कपूर? श्रद्धा की आंटी ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं. पिछले कुछ समय से उनकी और राहुल मोदी के रिश्ते को लेकर चर्चा चल रही है. अब इन चर्चाओं ने उस वक्त और जोर पकड़ लिया, जब दोनों की शादी को लेकर खबरें सामने आने लगीं. हालांकि, परिवार की तरफ से इस पर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.हाल ही में ऊप ड्डाा झै व्द्र्ल्हेंत को दिए एक इंटरव्यू में श्रद्धा की आंटी तेजस्विनी कोल्हापुरी से इन शादी की अफवाहों को लेकर सवाल किया गया. इस पर उन्होंने हंसते हुए कहा, 'सच में, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता. मुझे कोई जानकारी नहीं है.' उनके इस जवाब से साफ है कि फिलहाल परिवार की ओर से इस खबर की पुष्टि नहीं की गई है.इस साल की शुरुआत में ऐसी खबरें आई थीं कि श्रद्धा कपूर उदयपुर में रॉयल अंदाज में शादी की प्लानिंग कर रही हैं. इन खबरों पर उनके भाई सिद्धांत कपूर ने मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी थी. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि यह खबर उनके लिए भी नई है.काम की बात करें तो श्रद्धा कपूर हाल ही में फिल्म स्त्री 2 में नजर आई थीं, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई. आने वाले समय में वह कई बड़े प्रोजेक्ट्स में दिखाई दे सकती हैं, जिससे फैंस उनकी अगली फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।